छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

रायपुर

शनिवार 18 अक्टूबर 2026

वर्ष-07, अंक-290

पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

E-mail: eksatbulletin@gmail.com Website: www.eksatbulletin.in

न्यूज इन शॉर्ट

सीएम योगी ने की मां कालरात्रि की आराधना, बोले- अधर्म और आतंक का अंत ही न्याय का आधार



नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शारदीय नवरात्र की सप्तमी तिथि पर मां कालरात्रि के स्वरूप की आराधना की। इसके महत्व पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर लिखा कि दुष्टों, असुरों और रक्तबीज जैसी तामसिक शक्तियों का संहार कर धर्म की स्थापना एवं भक्तों को अभय प्रदान करने वाली मां कालरात्रि का दिव्य स्वरूप हमें संदेश देता है कि अधर्म, अत्याचार व आतंक का अंत ही न्याय, शांति एवं निर्भय समाज की स्थापना का आधार है।मुख्यमंत्री योगी ने पिछली सरकार कोआतंक से उत्पन्न शिक्षा व स्वावलंबन की राह में गंभीर बाधाएं खड़ी कर दी थीं।

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो का भारत दौरा, मुंबई-जामनगर पर क्यों रहेगा फोकस?



नई दिल्ली। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो 17 से 22 अक्टूबर तक भारत और मध्य एशिया के दौरे पर रहेंगे। मुंबई-जामनगर यात्रा के दौरान ऊर्जा, व्यापार और निवेश पर चर्चा होगी।अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने तथा ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के उद्देश्य से भारत का दौरा करेंगे। उनका यह दौरा 17 से 22 अक्टूबर तक चलेगा, जिसमें उज्बेकिस्तान के साथ-साथ मुंबई और जामनगर जैसे भारतीय शहर भी शामिल हैं।मार्को रुबियो, जो उज्बेकिस्तान यात्रा के दौरान ष्ट5+1 मंत्रिस्तरीय बैठक में भाग लेंगे, अमेरिका और मध्य एशियाई देशों के बीच रणनीतिक सहयोग बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। आर्थिक विकास के अवसरों का विस्तार करना है।

सऊदी जाने वाली एयर इंडिया की उड़ानें 24 अक्टूबर तक रद्द, हूती विद्रोहियों की धमकी के बाद फैसला



नई दिल्ली। एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने सऊदी अरब के जेद्दा, रियाद और दम्माम से आने-जाने वाली उड़ानों का अस्थायी निलंबन 24 अक्टूबर तक बढ़ा दिया है। एयरलाइंस के मुताबिक, 15 अक्टूबर या उससे पहले टिकट बुक कराने वाले यात्री, जिनकी यात्रा की तारीख 9 से 25 अक्टूबर के बीच है, 10 नवंबर तक एक बार मुफ्त में यात्रा की तारीख बदल सकते हैं। यात्री उपलब्धता के आधार पर ज्ञष्टष्ठ क्षेत्र के दूसरे शहरों से भी यात्रा के लिए री-बुकिंग करा सकते हैं।एयर इंडिया ने अपने बयान में कहा, 'मौजूदा स्थिति आने-जाने वाली उड़ानों को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है।

गूगल मैप का इस्तेमाल करना पड़ गया भारीज जंगल में फंसे 9 टेक्नीशियन



नई दिल्ली। कर्नाटक के चामराजनगर जिले में गूगल मैप के जरिए रास्ता खोज रहे नौ तकनीकी कर्मचारी घने जंगल में खाई के पास फंस गए। मैसूर में नवरात्रि कार्यक्रम देखकर चेन्नई लौट रही टीम को रातभर कार में रहना पड़ा।दक्षिण के राज्य कर्नाटक से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां नौ लोगों की टीम घने जंगल में फंस गए। ये नौ लोग गूगल मैप के जरिये रास्ता देखते हुए नवरात्रि के कार्यक्रम को देखकर लौट रहे थे। सभी नौ लोग तकनीकी विशेषज्ञ हैं। इनकी पूरी टीम को रास्ता भटकने की वजह से जंगल में खाई में रात बितानी पड़ी।

लगभग 89 प्रतिशत शिकायतों का समाधान, मुख्यमंत्री ने शुरुआती परिणामों को बताया उत्साहजनक

आम जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी माध्यम बन रही सीएम हेल्पलाइन 1076

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर



आम नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध, संवेदनशील और प्रभावी समाधान सुशासन की पहली कसौटी है। इसी उद्देश्य से शुरू की गई सीएम हेल्पलाइन 1076 कम समय में ही प्रदेशवासियों के लिए भरोसे का महत्वपूर्ण माध्यम बनकर उभरी है। राशन, पेंशन, बिजली, आवास, पेयजल और अन्य नागरिक सेवाओं से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए अब लोगों को बार-बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ रही है। नागरिक घर बैठे 1076 पर अपनी शिकायत दर्ज करा रहे हैं और उनके निराकरण की नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने आज नवा रायपुर स्थित सीबीडी बिल्डिंग में संचालित सीएम हेल्पलाइन 1076 के कार्यालय पहुंचकर इसके कामकाज की उच्चस्तरीय समीक्षा के दौरान यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों, उनके निराकरण, शिकायतकर्ताओं से लिए जा रहे फीडबैक तथा विभागवार और जिलेवार प्रदर्शन की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिला कलेक्टरों से जिलों में शिकायतों के निराकरण की स्थिति की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने इस दौरान विभिन्न जिलों के शिकायतकर्ताओं से स्वयं बातचीत कर जाना कि सीएम हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराने के बाद उनकी समस्या का समाधान हुआ या नहीं। नागरिकों ने मुख्यमंत्री से सीधे संवाद में अपने अनुभव साझा किए और शिकायतों के निराकरण पर संतुष्टि व्यक्त की।

2.31 लाख शिकायतें दर्ज, 88.85 प्रतिशत का हो चुका निराकरण

समीक्षा बैठक में बताया गया कि 9 जून से 15 अक्टूबर 2026 तक सीएम हेल्पलाइन 1076 पर कुल 2 लाख 31 हजार 850 शिकायतें दर्ज की गई हैं। इनमें से 2 लाख 5 हजार 996 शिकायतों का निराकरण किया जा चुका है। शेष 25 हजार 854 शिकायतों पर कार्रवाई की जा रही है। इस प्रकार अब तक प्राप्त कुल शिकायतों में से 88.85 प्रतिशत का निराकरण किया जा चुका है। हेल्पलाइन पर प्रतिदिन औसतन 1500 से 2000 शिकायतें प्राप्त हो रही हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने हेल्पलाइन के शुरुआती परिणामों को उत्साहजनक बताते हुए कहा कि इतनी बड़ी संख्या में शिकायतों का निराकरण अधिकारियों और कर्मचारियों के सामूहिक प्रयास का परिणाम है। पिछली समीक्षा में दिए गए निर्देशों पर भी अच्छा कार्य हुआ है। इस व्यवस्था को निरंतर बेहतर बनाते हुए यह सुनिश्चित किया जाए कि शिकायतों का निराकरण केवल आंकड़ों तक सीमित न रहे, बल्कि नागरिक को वास्तविक रूप से राहत मिले और वह समाधान से संतुष्ट हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिकायत का गुणवत्तापूर्ण निराकरण सबसे महत्वपूर्ण है। शिकायत बंद करने से पहले यह सुनिश्चित किया जाए कि संबंधित नागरिक की समस्या वास्तव में दूर हुई है। नागरिकों से मिलने वाला फीडबैक ही इस व्यवस्था की वास्तविक सफलता का आधार होना चाहिए।

एक शिकायत से 80 से अधिक परिवारों को मिली राहत, बदला गया खराब ट्रांसफॉर्मर

मुख्यमंत्री श्री साय ने समीक्षा के दौरान गरियाबंद जिले के मैनपुर क्षेत्र के शिकायतकर्ता श्री दमन साहू से सीधे बातचीत की। श्री साहू ने मुख्यमंत्री को बताया कि उनके गांव का ट्रांसफॉर्मर खराब होने के कारण बिजली आपूर्ति बाधित हो गई थी। इससे गांव के लगभग 80 से 85 परिवार प्रभावित थे। स्थानीय स्तर पर समस्या का समाधान नहीं होने पर उन्होंने सीएम हेल्पलाइन 1076 पर शिकायत दर्ज कराई।

महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं

कानून की डिग्री के साथ मिलती है न्याय और संविधान की रक्षा की जिम्मेदारी

लॉ के छात्रों से बोले सीजेआई

एजेंसी ➤ नई दिल्ली



न्याय के लिए निष्पक्षता और संवेदनशीलता जरूरी

एनएलएसआईयू दीक्षांत समारोह में सीजेआई ने कानून विद्यार्थियों से न्याय, नैतिकता और संवैधानिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कानून पेशा केवल विधियों तक सीमित नहीं है।नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी (एनएलएसआईयू), बेंगलुरु के 34वें दीक्षांत समारोह में भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) एवं विश्वविद्यालय के चांसलर ने कानून के विद्यार्थियों से न्याय, निष्पक्षता और संवैधानिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कानून का पेशा केवल विधियों और न्यायिक फैसलों की जानकारी तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके लिए नैतिक साहस, स्वतंत्र चिंतन और समाज के प्रति जिम्मेदारी भी आवश्यक है।सीजेआई ने कहा कि विश्वविद्यालय से शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों ने वर्षों की मेहनत, अनुशासन और बौद्धिक क्षमता के बल पर यह उपलब्धि हासिल की है। यहां की कठोर शैक्षणिक व्यवस्था, मूट कोर्ट, शोध और चर्चाओं ने उन्हें न केवल कानून की समझ दी है, बल्कि दबाव में काम करने, तर्कों का विश्लेषण करने और चुनौतियों का सामना करने की क्षमता भी विकसित की है।

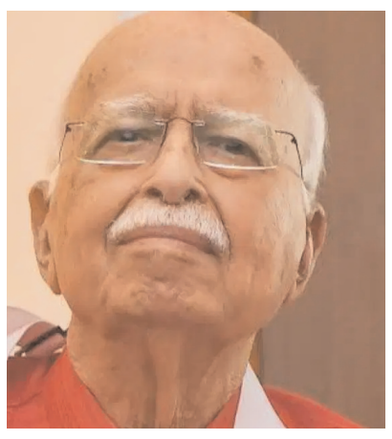
मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि कानूनी पेशे में सफलता के लिए कानून और न्यायिक मिसालों का ज्ञान पर्याप्त नहीं है। वकीलों को न्याय के पक्ष में खड़े होने का साहस और उन लोगों की आवाज सुनने की विनम्रता भी रखनी चाहिए, जिनकी बात अक्सर अनसुनी रह जाती है। उन्होंने निष्पक्षता पर जोर देते हुए कहा कि किसी का आकलन करने से पहले उसकी बात सुनना, व्यक्ति और उसके विचारों के बीच अंतर करना तथा असहमति के बावजूद दूसरे की गरिमा का सम्मान करना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि कानून स्थिर नहीं रहता, बल्कि इसे लागू करने वाले लोगों के विचारों और कार्यों के माध्यम से इसका विकास होता है। वकीलों की दलीलें, तैयार किए गए अनुबंध, दी गई कानूनी सलाह और न्यायाधीशों के फैसले देश की न्याय व्यवस्था को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

अस्पताल ने बयान जारी कर बताया कैसी है तबीयत

आईसीयू में हैं लालकृष्ण आडवाणी

एजेंसी ➤ नई दिल्ली



लालकृष्ण आडवाणी को सीने में संक्रमण के कारण दिल्ली के अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल के मुताबिक उनकी हालत स्थिर है और डॉक्टर उनकी सेहत पर लगातार नजर रख रहे हैं।ढ्ढष्ट में हैं लालकृष्ण आडवाणी, अस्पताल ने बयान जारी कर बताया कैसी है तबीयतबीजेपी के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी को शुक्रवार (18 अक्टूबर) शाम को नई दिल्ली के अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया था। 98 साल के आडवाणी को सीने में संक्रमण की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इस बीच शनिवार (19 अक्टूबर) को उनके स्वास्थ्य को लेकर अपोलो अस्पताल का बयान सामने आया है।

अस्पताल के अधिकारियों के मुताबिक उनकी हालत स्थिर है। शुक्रवार शाम करीब 7:30 बजे उन्हें इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल लाया गया था। अधिकारियों ने बताया कि आडवाणी को सीने में संक्रमण के कारण भर्ती कराया गया है, फिलहाल ढ्ढष्ट में उनका इलाज चल रहा है। न्यूरोलॉजी के वरिष्ठ सलाहकार डॉ। विनीत सूरी की देखरेख में उनका इलाज हो रहा है। उनकी हालत फिलहाल स्थिर है और डॉक्टर उनकी सेहत पर लगातार नजर रख रहे हैं। पल्मोनरी विभाग में उनका इलाज चल रहा है।

तमिलनाडु में RSS की बड़ी जीत, हाई कोर्ट ने मार्च निकालने की दी मंजूरी

नई दिल्ली। मद्रास हाई कोर्ट ने तमिलनाडु में RSS के वार्षिक विजयदशमी रूट मार्च को अनुमति दे दी है। कोर्ट ने पुलिस के उस आदेश को रद्द किया जिसमें सुरक्षा का हवाला देकर मार्च पर रोक लगाई गई थी।



मद्रास हाई कोर्ट ने तमिलनाडु में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ यानी ऋस्स् को उनके वार्षिक विजयदशमी रूट मार्च निकालने की अनुमति दे दी। कोर्ट ने राज्य पुलिस के उस आदेश को रद्द कर दिया है जिसमें सुरक्षा और कानून-व्यवस्था का हवाला देकर इस मार्च पर रोक लगाई गई थी। जस्टिस वी। लक्ष्मीनारायणन ने पुलिस के इस रवैये पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने साफ किया कि सार्वजनिक सड़कें सभी के लिए हैं, इसलिए नियमों के तहत मार्च निकालने की अनुमति दी जानी चाहिए।

अभिजीत दीपके को जमानत मिली

शांति भंग करने के आरोप में अरेस्ट हुए थे; स्ढ्ढक के विरोध में 1 नवंबर को रामलीला मैदान में कांग्रेस की रैली

एजेंसी ➤ नई दिल्ली



कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके को शनिवार को जमानत मिल गई। दीपके को दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार देर रात गिरफ्तार किया था। उन्हें शुक्रवार को कनॉट प्लेस में 'लहरा दो तिरंगा' रैली से पहले हिरासत में लिया गया था।8 दिन में दीपके के खिलाफ यह दूसरी बार कार्रवाई है। इससे पहले 10 अक्टूबर को उन्हें दिल्ली एयरपोर्ट पर विमान से हिरासत में लिया गया था। अगले दिन वे रिहा हो गए थे। धर कांग्रेस की रामलीला मैदान में 1 नवंबर को रैली होगी। कांग्रेस ने दिल्ली पुलिस से पहले ही इसकी इजाजत ले ली है।ऑल इंडिया महिला सांस्कृतिक संगठन, क्रांतिकारी युवा संगठन (च्वह्वस्) और अन्य संगठनों ने दिल्ली में हालिया प्रदर्शनों के दौरान पुलिस की कार्रवाई के विरोध में मार्च निकाला।

केरन सेक्टर में सुरक्षाबलों का सर्च ऑपरेशन

कश्मीर के कुपवाड़ा में 2 आतंकी मारे गए

एजेंसी ➤ नई दिल्ली



श्रीनगर। कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में लाइन ऑफ कंट्रोल के पास शनिवार सुबह आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ हुई। अधिकारियों के मुताबिक, अब तक दो आतंकी मारे गए हैं।पहले इस घटना को घुसपैठ की कोशिश से जोड़कर देखा जा रहा था, लेकिन अधिकारियों ने बताया कि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि आतंकी घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे या नहीं।

सेना के मुताबिक, कुपवाड़ा स्थित केरन सेक्टर के जुमागुंड इलाके में शनिवार सुबह करीब 3:30 बजे सुरक्षाबलों ने संदिग्ध गतिविधि देखी। इसके बाद दोनों तरफ से फायरिंग शुरू हो गई। सर्च ऑपरेशन अभी जारी है।1. पुंछ में ख्ष्टष्ठ के पास धमाका, लश्कर कमांडर सहित 4 पाकिस्तानी मारे गए12 अक्टूबर को जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में ख्ष्टष्ठ के पास कृष्णा घाटी सेक्टर से जुड़े इलाके में धमाका हुआ। इसमें चार लोग मारे गए। अधिकारियों ने बताया कि वे भारत में घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे। मृतकों में लश्कर-ए-तैयबा का एक कमांडर भी शामिल था।

2. मेंढर सेक्टर में दो जंग लगी बारूदी सुरंगें मिलीं

12 अक्टूबर को ही पुंछ जिले के मेंढर सेक्टर के बसोनी इलाके में सेना को बॉर्डर फेंस के पास दो जंग लगी बारूदी सुरंगें मिलीं।

न्यूज इन शॉर्ट



सेवा संकल्प अभियान- डुबान क्षेत्र के पशुपालकों को मिली आर्थिक संबल की सौगात

रायपुर, धमतरी जिले में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और पशुपालकों को वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर करने की दिशा में एक सशक्त पहल देखने को मिली है। ेसेवा संकल्प अभियानश के अंतर्गत जिले के सुदूर डुबान क्षेत्र स्थित ग्राम कोलियारी एवं अकलाडोंगरी में विशेष पशुपालन किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य पशुपालन गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ ग्रामीणों को सीधी बैंकिंग सुविधाओं से जोड़कर गांव-गांव में आजीविका के नए अवसर सृजित करना है। शिविर के दौरान डुबान क्षेत्र के पशुपालकों में खासा उत्साह देखा गया, जहां बैंकिंग और शासकीय योजनाओं का लाभ सीधे हितग्राहियों तक पहुंचाया गया। मौके पर ही पशुपालन ऋण के इच्छुक आवेदकों के दस्तावेजों की समीक्षा की गई और कुल सात पात्र हितग्राहियों के 5 लाख 50 हजार रुपये की राशि के ऋण प्रकरण तैयार किए गए। इस संस्थागत वित्तीय सहायता से पशुपालकों को मवेशियों के आहार, स्वास्थ्य देखभाल, रखरखाव और अन्य दैनिक कार्यशील पूंजी संबंधी आवश्यकताओं को बिना किसी आर्थिक तंगी के पूरा करने में बड़ी मदद मिलेगी। दरअसल, किसान क्रेडिट कार्ड योजना के माध्यम से पशुपालकों को आसान दरों पर ऋण उपलब्ध कराकर पशुपालन को एक लाभप्रद और टिकाऊ व्यवसाय के रूप में विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। डुबान जैसे दूरस्थ क्षेत्रों में इस प्रकार के शिविरों का आयोजन ग्रामीण परिवारों को साहूकारी ऋण से मुक्त कराने और उनकी आय में वृद्धि कर स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने में मील का पत्थर साबित हो रहा है।

`ऑटो डायवर्सन' से डिजिटल हुआ राजस्व विभाग, नागरिकों को मिल रही समयबद्ध और पारदर्शी सेवाएं

रायपुर, मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार राज्य के नागरिकों को सुगम, त्वरित और पारदर्शी प्रशासनिक सेवाएं देने के लिए निरंतर नए आयाम गढ़ रही है। सुशासन के इस दौर में सरकारी प्रक्रियाओं को सरल बनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है, जिससे आम जनता को योजनाओं और सेवाओं का सीधा और आसान लाभ मिल सके। इसी कड़ी में राजस्व विभाग द्वारा लागू की गई 'ऑटो डायवर्सन'व्यवस्था ने जांजगीर - चांपा जिले में एक क्रांतिकारी बदलाव की शुरुआत की है। यह तकनीक आधारित स्वचालित प्रणाली भूमि व्यपवर्तन की प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल और नागरिक-अनुकूल बना रही है। अब कार्यालयों के चक्कर काटने से मिली मुक्ति पूर्व की बात करें तो भूमि के व्यपवर्तन के लिए आवेदकों को आवेदन जमा करने से लेकर दस्तावेजों की औपचारिकता और कार्यालयीन प्रक्रियाओं तक बार-बार सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ते थे, जिससे समय और धन दोनों का नुकसान होता था। लेकिन अब विष्णु भैय्या की सरकार की इस अत्याधुनिक ऑनलाइन व्यवस्था से स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। आवेदक अब घर बैठे ही अपनी सुविधा अनुसार आवेदन की प्रक्रिया शुरू कर सकते हैं और जरूरी दस्तावेज प्रस्तुत कर सकते हैं। इससे कार्यालयों में बेवजह की भागदौड़ खत्म हुई है और नियमों के तहत आवश्यक जांच व कार्रवाई को पूरी तरह डिजिटल तरीके से आगे बढ़ाया जा रहा है।

जांजगीर - चांपा की इस बड़ी सफलता और जनहितैषी पहल पर राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के विजन के अनुरूप राज्य सरकार 'कम समय में सरल सेवा और अधिक पारदर्शिता' के मूल उद्देश्य पर पूरी निष्ठा के साथ काम कर रही है। ऑटो डायवर्सन व्यवस्था राजस्व प्रशासन को अधिक जवाबदेह और पारदर्शी बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम साबित हुई है, जिससे आम नागरिकों को सीधी राहत मिल रही है। इस नई प्रणाली के क्रियान्वयन के सकारात्मक परिणाम भी तेजी से सामने आ रहे हैं। जिले में अब तक ऑटो डायवर्सन के तहत कुल 677 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 477 आवेदनों का निर्धारित समय-सीमा के भीतर सफलतापूर्वक निराकरण कर दिया गया है।

'युवा उड़ान 2026' का आयोजन, युवाओं को विकसित भारत 2047 के विजन से जोड़ने पर जोर

विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक से यातायात नियमों, नशामुक्ति और युवा राजवीर योजना का दिया संदेश

एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही

छत्तीसगढ़ राज्य गठन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में युवाओं को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत विजन /2047' से जोड़ने तथा विकसित छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आज मल्टीपर्पज स्कूल पेण्ड्रा के असेंबली हॉल में 'युवा उड़ान 2026' कार्यक्रम आयोजित किया गया। राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष श्री विश्व विजय सिंह तोमर के मुख्य आतिथ्य में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद जी के



छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण कर किया गया। कार्यक्रम में मरवाही विधायक श्री प्रणव कुमार मरपच्ची, जिला पंचायत अध्यक्ष सुश्री समीरा पैकरा, उपाध्यक्ष राजा उपेंद्र बहादुर सिंह, कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. सहित जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे। युवाओं की मेहनत और प्रतिभा से साकार होगा विकसित भारत का सपना छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष श्री विश्व विजय सिंह तोमर ने कहा कि 'युवा उड़ान' कार्यक्रम का शुभारंभ 31 अगस्त 2026 को बीजापुर से हुआ है। आज 21वें जिले के रूप में गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में इसका आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने युवाओं से कठिन परिश्रम कर अपने लक्ष्य प्राप्त करने, सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहों से बचने की अपील की। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सीजीपीएससी की भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता आने का उल्लेख करते हुए युवाओं को अपनी संस्कृति से जुड़े रहने और सफलता के लिए निरंतर प्रयास करने का संदेश दिया।

मरवाही विधायक श्री प्रणव कुमार मरपच्ची ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का लक्ष्य वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ आम लोगों तक पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है।

महतारी सदन से ग्रामीण महिलाओं को मिलेगा सशक्तिकरण का नया आधार

सेवा संकल्प अभियान के उद्देश्यों को मिलेगी मजबूती, एमसीबी जिले में 10 महतारी सदनों के निर्माण के लिए स्वीकृति

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

ग्रामीण महिलाओं को स्वावलंबी बनाने, सामाजिक गतिविधियों में उनकी भागीदारी बढ़ाने और सामुदायिक सहयोग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ शासन द्वारा महतारी सदन का निर्माण कराया जा रहा है। यह पहल ग्रामीण महिलाओं को एक साझा मंच उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण है, जहां वे आपसी समरसता के साथ सामाजिक कार्यक्रमों में भागीदारी कर सकेंगी। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में प्रथम एवं द्वितीय चरण के अंतर्गत कुल 10 महतारी सदनों के निर्माण के लिए स्वीकृति प्रदान की गई है।

महतारी सदन की अवधारणा ग्रामीण महिलाओं को केवल एक भवन उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य उन्हें सामाजिक गतिविधियों से जोड़ना, सामूहिक सहभागिता को बढ़ावा देना और महिला सशक्तिकरण के लिए अनुकूल



वातावरण तैयार करना है। इन केंद्रों के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को आपसी संवाद, सहयोग और सामुदायिक कार्यक्रमों में सहभागिता के अवसर मिल सकेंगे।

सेवा संकल्प अभियान से जुड़ी जनभागीदारी की भावना

छत्तीसगढ़ में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक संचालित सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य जनसेवा के प्रति आभार व्यक्त करना, विकसित भारत-2047 के निर्माण का सामूहिक संकल्प लेना, केंद्र एवं राज्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आम नागरिकों तक पहुंचाना और व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करना है। अभियान के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से नागरिकों को जनकल्याणकारी योजनाओं तथा सामाजिक सरोकारों से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

महतारी सदन जैसी पहल को ग्रामीण महिलाओं की सामूहिक भागीदारी और महिला सशक्तिकरण के व्यापक उद्देश्य से जोड़कर देखा जा सकता है। गांवों में महिलाओं के लिए सुविधायुक्त साझा स्थान उपलब्ध होने से सामाजिक कार्यक्रमों के आयोजन और सामुदायिक गतिविधियों में उनकी सहभागिता को प्रोत्साहन मिल सकता है। इस प्रकार, महतारी सदन ग्रामीण स्तर पर सामाजिक समरसता और सामूहिक सहयोग को बढ़ावा देने में सहायक हो सकते हैं।

सेवा संकल्प अभियान में सामने आई किसान परवती सिंह की सफलता की कहानी, धान बोनस से मिली आर्थिक सहायता

वर्ष 2025-26 में 263.60 क्विंटल धान बेचने पर कृषि उन्नति योजना के तहत मिला 1,92,691.60 रुपये का बोनस

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों के जीवन में आए सकारात्मक बदलावों की कहानियां सेवा संकल्प अभियान 2026 के माध्यम से सामने आ रही हैं। इसी कड़ी में मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के ग्राम लालपुर निवासी किसान परवती सिंह की सफलता की कहानी सामने आई है, जिन्हें वित्तीय वर्ष 2025-26 में कृषि उन्नति योजना के तहत धान बोनस की राशि प्राप्त हुई है। इस आर्थिक सहायता से परवती सिंह बेहद खुश हैं।



परवती सिंह ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में 263.60 क्विंटल धान का विक्रय किया था। इसके एवज में उन्हें कृषि उन्नति योजना के तहत 1,92,691.60 रुपये की बोनस राशि प्राप्त हुई। यह राशि उनके लिए आर्थिक सहयोग का महत्वपूर्ण माध्यम बनी है। बोनस की राशि मिलने से उन्हें खेती-किसानी से जुड़ी आवश्यकताओं और परिवार की जरूरतों को पूरा करने में मदद मिली है। अपनी मेहनत का लाभ मिलने से परवती सिंह प्रसन्न हैं।

सेवा की कहानी : प्राकृतिक खेती अपनाकर तुलसा ने बढ़ाई आमदनी

राष्ट्रीय प्राकृतिक कृषि मिशन से मिली प्रेरणा, कम लागत में बेहतर मुनाफा अर्जित कर बनीं आत्मनिर्भर

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

कोण्डागांव जिले के माकड़ी विकासखंड के ग्राम छिनारी की महिला कृषक श्रीमती तुलसा महावीर ने प्राकृतिक खेती अपनाकर कृषि के क्षेत्र में सफलता की नई मिसाल पेश की है। राष्ट्रीय प्राकृतिक कृषि मिशन के तहत कृषि विभाग के अधिकारियों के मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण से उन्होंने रासायनिक खाद और कीटनाशकों पर निर्भरता कम करते हुए प्राकृतिक खेती की तकनीकों को अपनाया। इससे न केवल खेती की लागत में उल्लेखनीय कमी आई, बल्कि उन्हें बेहतर आर्थिक लाभ भी प्राप्त हुआ। श्रीमती तुलसा पहले अपनी खेती में रासायनिक खाद एवं कीटनाशकों का उपयोग करती थीं। उनकी खेती की लागत लगभग 40 हजार रुपये तक पहुंच जाती थी, लेकिन मेहनत के अनुरूप लाभ नहीं मिल पा रहा था। साथ ही मिट्टी की गुणवत्ता को लेकर भी उन्हें चिंता होने लगी थी। इसी दौरान उन्हें राष्ट्रीय प्राकृतिक कृषि मिशन के बारे में जानकारी मिली। कृषि विभाग के अधिकारियों एवं कृषि अमले के मार्गदर्शन और प्रशिक्षण से उन्होंने प्राकृतिक खेती की तकनीकों को समझा और अपने खेत में धीरे-धीरे इन्हें अपनाना शुरू किया।

प्राकृतिक तकनीकों से बदली खेती की तस्वीर

श्रीमती तुलसा ने अपने खेत में बीज उपचार के लिए बीजामृत, फसल प्रबंधन के लिए जीवामृत एवं घनजीवामृत, आच्छादन तथा प्राकृतिक कीट प्रबंधन जैसी तकनीकों का उपयोग किया। इन तकनीकों को अपनाने के लिए उन्होंने खेत और गांव में उपलब्ध स्थानीय संसाधनों का इस्तेमाल किया।



इससे खेती में बाहरी संसाधनों पर निर्भरता कम करने और उत्पादन लागत घटाने में सहायता मिली। प्राकृतिक खेती अपनाने का सकारात्मक परिणाम उनकी खेती में स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। पहले जहां खेती की लागत लगभग 40 हजार रुपये थी, वहीं प्राकृतिक खेती अपनाने के बाद यह घटकर 19,500 रुपये रह गई। इस प्रकार उन्हें 20,500 रुपये यानी लगभग 51.25 प्रतिशत की लागत बचत हुई। कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 0.405 हेक्टेयर क्षेत्र में प्राकृतिक खेती से 37 क्विंटल प्रति हेक्टेयर उत्पादकता दर्ज की गई। इससे 01 लाख 14 हजार 700 रुपये की सकल आय तथा 95,200 रुपये का शुद्ध लाभ प्राप्त हुआ। कम लागत में बेहतर आर्थिक लाभ मिलने से श्रीमती तुलसा महावीर का प्राकृतिक खेती के प्रति विश्वास और मजबूत हुआ।

अन्य किसानों और महिलाओं को भी कर रहीं प्रेरित

आज श्रीमती तुलसा स्वयं प्राकृतिक खेती की तकनीकों को अपनाने के साथ-साथ आसपास के किसानों और महिलाओं को भी इसके लिए प्रेरित कर रही हैं। उनका मानना है कि प्राकृतिक खेती केवल खेती करने की एक पद्धति नहीं, बल्कि कम लागत, आर्थिक आत्मनिर्भरता और स्वस्थ भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

विवेकानंद पब्लिक स्कूल, भटगांव में धूमधाम से मनाया गया 'गरबा महोत्सव'

एक सत बुलेटिन ➤ भटगांव

विवेकानंद पब्लिक स्कूल भटगांव में शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर एक भव्य 'गरबा महोत्सव' का आयोजन विद्यालय प्रांगण में किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों ने बड़े उत्साह और भक्तिभाव के साथ भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के डाइरेक्टर रूक्मणी आदित्य एवं प्रिंसिपल नरेश पटेल द्वारा दीप प्रज्वलन और माँ दुर्गा जी की आरती के साथ किया गया।

गरबा महोत्सव में सभी छात्र-छात्राएं पारंपरिक परिधानों में सजे-धजे नजर आए। डीजे और भक्तिमय धुनों पर विद्यार्थियों ने एक से बढ़कर एक गरबा और डांडिया रास की प्रस्तुतियां देकर पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इस कार्यक्रम में अभिभावकों और अतिथियों ने भी गरबा नृत्य में भाग लिये।

कार्यक्रम में उपस्थित अभिभावकों और मुख्य अतिथि विक्रम कुर्रे, प्रेसिडेंट भाजपा मंडल भटगांव धीरज दीक्षित,नगर पंचायत के



पार्षद और न्यूज़ रिपोर्टर धर्मेंद्र साहू, के. पी. पटेल ने कार्यक्रम में सम्मलित होकर कार्यक्रम को सफल बनाया। जो कि कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा। कार्यक्रम में उपस्थित सभी पालकगण कार्यक्रम की खूब सराहना किये।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के डायरेक्टर रूक्मणी आदित्य, प्रिंसिपल नरेश पटेल, वाईस प्रिंसिपल किरण पटेल सहित विद्यालय के समस्त स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य ने सभी को नवरात्रि की शुभकामनाओ के साथ आभार व्यक्त किया।

सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले के सभी 7 स्वामी आत्मानंद शासकीय विद्यालयों में स्मार्ट बोर्ड से पढ़ाई, 63 अन्य विद्यालयों में स्थापना का प्रस्ताव

स्मार्ट बोर्ड से संवर रहा ग्रामीण विद्यार्थियों का भविष्य, आधुनिक शिक्षा की ओर बढ़ रहा एमसीबी जिला

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

ग्रामीण विद्यार्थियों को आधुनिक, गुणवत्तापूर्ण और तकनीक आधारित शिक्षा से जोड़ने की दिशा में मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। जिले के सभी 7 स्वामी आत्मानंद शासकीय विद्यालयों में स्मार्ट बोर्ड संचालित हैं। इनके माध्यम से विद्यार्थियों को पढ़ाई के आधुनिक और प्रभावी अवसर मिल रहे हैं। वहीं, जिले के अन्य 63 विद्यालयों में भी स्मार्ट बोर्ड स्थापित करने का प्रस्ताव है। इस पहल के विस्तार से आने वाले समय में अधिक से अधिक ग्रामीण विद्यार्थियों को डिजिटल शिक्षा का लाभ मिल सकेगा।

चित्रों, वीडियो और एनिमेशन से आसान हो रही पढ़ाई

इंटरैक्टिव स्मार्ट बोर्ड के उपयोग से कक्षाओं में शिक्षण का तरीका अधिक रोचक, सरल और प्रभावी बन रहा है। विद्यार्थी अब केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि चित्रों, वीडियो, एनिमेशन और डिजिटल गतिविधियों के माध्यम से विषयों को समझने का अवसर प्राप्त कर रहे



हैं। इससे कठिन अवधारणाओं को दृश्य रूप में समझना आसान होता है और विद्यार्थियों की विषयों के प्रति रुचि बढ़ाने में मदद मिलती है।

गणित में सूत्रों, समीकरणों और ज्यामितीय आकृतियों को डिजिटल माध्यम से समझाया जा रहा है। भौतिकी में गति, प्रकाश और विद्युत जैसी जटिल अवधारणाओं को दृश्य प्रस्तुतियों के जरिए स्पष्ट किया जा सकता है। वहीं, रसायन विज्ञान में परमाणु संरचना और रासायनिक अभिक्रियाओं तथा जीव विज्ञान में कोशिका, मानव शरीर और जैविक प्रक्रियाओं को चित्रों एवं एनिमेशन के माध्यम से समझने में सहायता मिल रही है।

कंप्यूटर शिक्षा में व्यावहारिक ज्ञान पर जोर

स्मार्ट बोर्ड कंप्यूटर शिक्षा को भी अधिक प्रभावी बनाने में



महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को टाइपिंग, फाइल प्रबंधन और डिजिटल सुरक्षा जैसे विषयों की जानकारी दी जा सकती है। विद्यार्थी कंप्यूटर पर किए जाने वाले कार्यों को पहले देखकर समझते हैं और फिर स्वयं अभ्यास के माध्यम से अपने कौशल को विकसित करने का अवसर प्राप्त करते हैं। इससे उनमें डिजिटल साक्षरता और तकनीकी दक्षता बढ़ाने में मदद मिलती है।

63 अन्य विद्यालयों में भी स्मार्ट बोर्ड स्थापना का प्रस्ताव

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत स्मार्ट बोर्ड की सुविधा को जिले के अन्य 63 विद्यालयों तक विस्तारित करने का प्रस्ताव है। इसके माध्यम से अधिक विद्यालयों के विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षण संसाधनों से जोड़ने की दिशा में काम किया जा सकेगा। यह पहल ग्रामीण और शहरी विद्यार्थियों के बीच डिजिटल शिक्षा के अवसरों की दूरी कम करने तथा ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

तकनीक आधारित शिक्षा से सशक्त होंगे विद्यार्थी

सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों को विषयों की बेहतर समझ, व्यावहारिक ज्ञान और भविष्य की चुनौतियों के अनुरूप आवश्यक कौशलों से सशक्त बनाना है। स्मार्ट बोर्ड के माध्यम से शिक्षा को अधिक सहभागितापूर्ण और अनुभव आधारित बनाने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे विद्यार्थियों में सीखने की रुचि विकसित हो और वे बदलते समय की आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को तैयार कर सकें। स्मार्ट बोर्ड के माध्यम से जिले में आधुनिक शिक्षण व्यवस्था को बढ़ावा देने की यह पहल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। स्मार्ट शिक्षा, सशक्त विद्यार्थी और उज्ज्वल भविष्य की परिकल्पना के साथ यह प्रयास ग्रामीण विद्यार्थियों के लिए सीखने के नए अवसर तैयार करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

न्यूज इन शॉर्ट



'सेवा संकल्प अभियान' = 'ग्रामीण विकास में पंच-सरपंचों की सक्रिय भागीदारी जरूरी- वन मंत्री श्री केदार कश्यप'

रायपुर, 'नारायणपुर में जिला स्तरीय पंच-सरपंच प्रशिक्षण, योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर' सेवा संकल्प अभियान के अंतिम दिवस नारायणपुर में आयोजित जिला स्तरीय पंच-सरपंच प्रशिक्षण एवं उन्मुखीकरण कार्यक्रम में ग्रामीण विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और जनभागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि गांवों के विकास और शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में पंच-सरपंचों की महत्वपूर्ण भूमिका है। जनप्रतिनिधि ग्रामीणों की जरूरतों को समझकर विकास की प्राथमिकताएं तय करें और योजनाओं के क्रियान्वयन में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। 'जनविश्वास और जनभागीदारी से ही ग्रामीण विकास की योजनाओं के बेहतर परिणाम' नारायणपुर के सिनेमा ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में वन मंत्री श्री कश्यप ने विकसित भारत जी राम जी योजना की सफलता के लिए पंचायत प्रतिनिधियों से सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पंच-सरपंच गांवों में जाकर लोगों को योजनाओं के उद्देश्य और लाभ की जानकारी दें। पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर काम करें। उन्होंने कहा कि जनविश्वास और जनभागीदारी से ही ग्रामीण विकास की योजनाओं के बेहतर परिणाम सामने आएंगे। 'पंचायत प्रतिनिधि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और प्रगति की नियमित निगरानी करें' श्री कश्यप ने पंचायतों में स्वीकृत निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर समय-सीमा में पूरा करने की बात कही। उन्होंने कहा कि स्कूल भवन, आंगनबाड़ी केंद्र, छात्रावास, सामुदायिक भवन, बालिका शौचालय, मुक्तिधाम, सड़क, पुल-पुलिया और महतारी सदन जैसे जनोपयोगी कार्यों का समय सीमा में पूर्णता पर विशेष जोर देते हुए कहा कि पंचायत प्रतिनिधि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और प्रगति की नियमित निगरानी करें, ताकि ग्रामीणों को जल्द बेहतर सुविधाएं मिल सकें। 'स्थानीय संसाधनों पर आधारित आजीविका गतिविधियों को प्रोत्साहित करने पर जोर 'वन मंत्री ने ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ाने के लिए स्थानीय संसाधनों पर आधारित आजीविका गतिविधियों को प्रोत्साहित करने पर भी जोर दिया। उन्होंने मछली पालन और बतख पालन के लिए क्षेत्र की संभावनाओं के अनुरूप कार्ययोजना तैयार करने तथा पात्र हितग्राहियों को इन गतिविधियों से जोड़ने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ के अध्यक्ष श्री रूपसाय सलाम, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री नारायण मरकाम, नगर पालिका अध्यक्ष श्री इंद्र प्रसाद बघेल, कलेक्टर श्रीमती नम्रता जैन, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री चित्रकांत चाली ठाकुर सहित पंचायत प्रतिनिधि और संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

'हर साल 6 हजार रुपये की आर्थिक सहायता से खेती-किसानी के खर्चों का प्रबंधन हुआ आसान'

रायपुर, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की किसान हितैषी पहल प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना छत्तीसगढ़ के किसानों के लिए आर्थिक संबल बन रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश के किसानों तक केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। पीएम-किसान योजना के तहत मिलने वाली आर्थिक सहायता से किसानों को खाद, बीज और खेती-किसानी से जुड़ी अन्य आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद मिल रही है। इसी कड़ी में जांजगीर-चांपा जिले के बम्हनीडीह विकासखंड अंतर्गत ग्राम चांपा निवासी किसान श्री रोहित कुर्रे के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना खेती की जरूरतों को पूरा करने में मददगार साबित हो रही है।

'उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने ग्राम लोहझरी में ग्रामीणों के बीच बैठकर किया सीधा संवाद'

'ग्राम लोहझरी के विकास के लिए 20.20 लाख रुपए की घोषणा की'

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा आज कबीरधाम जिले के ग्राम लोहझरी पहुंचे, जहां उन्होंने अपने चिर-परिचित सहज अंदाज में ग्रामीणों के बीच जमीन में बैठकर उनकी मांग, समस्याएं सुनीं और गांव की जरूरतों पर चर्चा की। महामाया मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना के बाद उन्होंने मंदिर परिसर में ही ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। इस दौरान ग्रामीणों ने गांव से जुड़ी मांगें रखीं, जिन पर उपमुख्यमंत्री ने त्वरित पहल करते हुए विभिन्न विकास कार्यों के लिए कुल 20 लाख 20 हजार रुपए की घोषणा की।

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने ग्राम लोहझरी में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के लिए



चार सीसी रोड निर्माण हेतु 10 लाख 40 हजार रुपए की घोषणा की। इसके साथ ही दुर्गा मंदिर में रंगमंच निर्माण के लिए 2 लाख 60 हजार रुपए, हनुमान मंदिर के पास रंगमंच निर्माण के लिए 2 लाख 60 हजार रुपए तथा महामाया मंदिर में दो मंचों के निर्माण के लिए 2 लाख 60 हजार रुपए देने की घोषणा की। इस तरह गांव में विभिन्न विकास कार्यों के लिए कुल 20 लाख 20 हजार रुपए की सौगात दी गई। इन कार्यों से आवागमन की सुविधा बेहतर होने के साथ धार्मिक और सामाजिक आयोजनों के लिए भी सुविधाएं विकसित होंगी।

'विकास कार्यों की गुणवत्ता की हर महीने होगी समीक्षा'

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि गांवों में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने के लिए नियमित समीक्षा जरूरी है। उन्होंने जिला पंचायत सदस्य, जनपद सदस्य, सरपंच, ठेकेदार और अन्य जनप्रतिनिधियों को हर महीने एक साथ बैठकर कार्यों की प्रगति पर चर्चा करने की बात कही। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्थानीय लोगों की भागीदारी और निगरानी से निर्माण कार्यों को टिकाऊ बनाया जा सकता है।

'कवर्धा क्षेत्र में एक हजार करोड़ रुपए से अधिक के कार्य प्रगतिरत'

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने बताया कि कवर्धा क्षेत्र में एक हजार करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्य चल रहे हैं। इनमें भोरमदेव कॉरिडोर, मेडिकल कॉलेज और रायपुर-बिलासपुर मार्ग का चौड़ीकरण जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाएं शामिल हैं। इनकी प्रगति और गुणवत्ता की निगरानी के लिए गठित टीमें हर महीने के पहले सप्ताह में मौके पर पहुंचकर निरीक्षण करती हैं।

मढ़मढ़ा और नेवरीगुड़ा में सड़क, सामुदायिक भवन, मुक्तिधाम सहित विभिन्न विकास कार्यों की घोषणाएं

देवी पंडाल बने जनसमस्या निवारण के केंद्र, उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने मां दुर्गा के चरणों में बैठकर सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा ने नवरात्रि के पावन पर्व पर कबीरधाम जिले के विभिन्न गांवों का दौरा कर देवी पंडालों और मंदिरों में दर्शन-पूजन किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से आत्मीय मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और विभिन्न विकास कार्यों की घोषणाएं कीं। विशेष रूप से ग्राम मढ़मढ़ा में देवी पंडाल जनसमस्या निवारण के केंद्र के रूप में नजर आया, जहां उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने मां दुर्गा के चरणों के समीप बैठकर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया और उनकी समस्याओं का निराकरण किया। देवी पंडाल बने जनसमस्या निवारण के केंद्र, उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने मां दुर्गा के चरणों में बैठकर सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा कवर्धा ग्रामीण मंडल के ग्राम मढ़मढ़ा में आयोजित जनसंपर्क कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने मां दुर्गा के दर्शन कर आशीर्वाद लिया और पंडाल में ही ग्रामीणों के बीच बैठकर उनकी समस्याएं एवं मांगें सुनीं। ग्रामीणों की मांग पर उन्होंने दैहान के पास 3 लाख रुपए की लागत से मंच निर्माण, यादव समाज के सामुदायिक भवन में अतिरिक्त कक्ष निर्माण के लिए 6 लाख 50 हजार रुपए, वीबी जीरामजी के अंतर्गत मुक्तिधाम में शेड निर्माण तथा पटेल समाज भवन में किचन शेड निर्माण की घोषणा की। इसके साथ ही ग्राम के वार्ड क्रमांक 9 में 6 लाख 50 हजार रुपए की लागत से सामुदायिक भवन निर्माण और दैहान के पास एक एचपी क्षमता का बोर स्थापित करने की घोषणा की। उन्होंने ग्राम की सड़कों के विकास के लिए 30 लाख रुपए के श्रममूलक कार्य तथा 15 लाख रुपए के मुरमीकरण कार्यों की भी घोषणा की। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने ग्राम मैनपुरी पहुंचकर दुर्गा पंडाल में मां दुर्गा के दर्शन किए। उन्होंने पूजा-अर्चना कर क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस दौरान



स्थानीय नागरिकों और श्रद्धालुओं से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। 'नेवरीगुड़ा में 36 देवी-देवताओं, 12 ज्योतिर्लिंगों और चारों धाम की आकर्षक झांकियों के किए दर्शन'

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने ग्राम नेवरीगुड़ा पहुंचकर नवरात्रि के अवसर पर स्थापित प्रसिद्ध मां दुर्गा पंडाल के दर्शन किए। इस पंडाल में छत्तीसगढ़ के 36 देवी-देवताओं, देश के 12 ज्योतिर्लिंगों और चारों धाम के साथ अयोध्या के भगवान श्रीराम तथा भगवान जगन्नाथ की आकर्षक झांकियां स्थापित की गई हैं। उन्होंने इन धार्मिक झांकियों का अवलोकन किया और मां दुर्गा की पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर ग्रामीणों की मांगों पर उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने नेवरीगुड़ा में सिसरी घाट, मंदिर परिसर में यज्ञ स्थल निर्माण और मेला स्थल पर सामुदायिक भवन निर्माण की घोषणा की। इसके साथ ही ग्राम दुल्लापुर में 2.60-2.60 लाख रुपए की लागत से दो सीसी सड़कों के निर्माण तथा शहीद नरेश शर्मा के स्मारक के पास 2 लाख रुपए की लागत से बाउंड्रीवाल निर्माण की घोषणा की। उन्होंने ग्रामीणों से चर्चा कर क्षेत्र की अन्य आवश्यकताओं की भी जानकारी ली।

'सूरजपुरा के प्रसिद्ध मां राजोदाई मंदिर में की पूजा-अर्चना'

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने अपने प्रवास के दौरान ग्राम सूरजपुरा स्थित प्रसिद्ध मां राजोदाई मंदिर पहुंचकर देवी दर्शन किए। उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। मंदिर परिसर में उपस्थित श्रद्धालुओं और ग्रामीणों से मुलाकात कर उन्होंने नवरात्रि पर्व की शुभकामनाएं दीं।

पल्लवी सिंह और संजना रोहिणी की एंकरिंग ने बांधा समां, माता की आराधना और संस्कृति का दिखा संगम

लोटस पब्लिक स्कूल के दो दिवसीय ग्रैंड रास गरबा में झूम उठा भटगांव

एक सत बुलेटिन ➤ भटगांव

अगर भक्ति, संस्कृति, संगीत और उल्लास का संगम एक साथ देखना हो तो उसका सबसे सुंदर उदाहरण बना लोटस पब्लिक स्कूल भटगांव द्वारा आयोजित दो दिवसीय ग्रांड रास गरबा 14 और 15 अक्टूबर को आयोजित इस भव्य गरबा महोत्सव में पूरा भटगांव गरबा के रंग में रंगा नजर आया। दो शामें ऐसी रहीं जहां माता रानी की आराधना से लेकर पारंपरिक गरबा की थाप तक, हर पल यादगार बन गया। नगर में पहली बार किसी निजी स्कूल द्वारा इतने बड़े स्तर पर गरबा महोत्सव का आयोजन किया गया था, जिसने सफलता के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। हजारों की संख्या में नगरवासी, अभिभावक, छात्र-छात्राएं और युवा गरबा प्रेमी इस उत्सव का हिस्सा बने।

माता रानी की पूजा से हुआ शुभारंभ, अतिथियों ने बढ़ाई शोभा

वहीं कार्यक्रम का शुभारंभ माता रानी की पूजा-अर्चना के साथ हुआ। पहले दिन के कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पंचायत भटगांव के अध्यक्ष विक्रम कुर्रे, भाजपा मंडल अध्यक्ष धीरज दीक्षित, नगर के वरिष्ठ नागरिक नेमीचंद केशरवानी, श्यामा साहू सहित अन्य गणमान्य अतिथियों एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में हुआ। माता के जयकारों और दीप प्रज्वलन के साथ जब गरबा शुरू हुआ तो पूरा माहौल भक्तिमय हो गया।

दूसरे दिन के कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पंचायत भटगांव के उपाध्यक्ष, नगर के जाने-माने मूर्तिकार प्रदीप देवांगन तथा पत्रकारों की पूरी टीम की उपस्थिति में हुआ। अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन की शोभा को दोगुना कर दिया।

पहले दिन पल्लवी सिंह की एंकरिंग ने जमाया रंग

गरबा महोत्सव के प्रथम दिन 14 अक्टूबर को रायपुर से पहुंचीं प्रसिद्ध एंकर पल्लवी सिंह ने अपनी शानदार प्रस्तुति से समां बांध दिया। पल्लवी सिंह छत्तीसगढ़ की जानी-मानी एंकर हैं जो अपनी ऊर्जावान अंदाज और आकर्षक मंच संचालन के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने मंच पर आते ही गरबा प्रेमियों में जोश भर दिया। उनके एक-एक शब्द, उनके अंदाज और गरबा के प्रति उनका उत्साह देखते ही बनता था। उन्होंने न केवल गरबा को लेकर जानकारी दी, बल्कि प्रतिभागियों को लगातार प्रोत्साहित भी किया।







उनकी एंकरिंग के साथ गरबा प्रेमी देर शाम तक संगीत और नृत्य के रंग में रंगे रहे। बच्चों से लेकर महिलाओं तक, सभी ने उनके साथ गरबा किया।

दूसरे दिन मध्यप्रदेश की संजना रोहिणी ने किया धमाल

महोत्सव के दूसरे दिन 15 अक्टूबर को मध्यप्रदेश से पहुंचीं प्रसिद्ध एंकर संजना रोहिणी ने पूरे आयोजन को एक नए स्तर पर पहुंचा दिया। संजना रोहिणी अपनी दमदार आवाज और जोशीले अंदाज के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने मंच संभालते ही पूरे वातावरण को उत्सवमय बना दिया। उनके आकर्षक अंदाज, चुटकुले और गरबा के प्रति उनका जुनून ऐसा था कि एक पल के लिए भी कोई दर्शक अपनी जगह से हिला नहीं। उन्होंने गरबा प्रतिभागियों में नई ऊर्जा भर दी और पूरा आयोजन संगीत, नृत्य तथा उल्लास से सराबोर हो गया। दोनों ही एंकरों की जोड़ी ने इस गरबा को भटगांव के इतिहास में यादगार बना दिया।

प्रायोजकों को शील्ड देकर किया सम्मानित

इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी प्रायोजकों को लोटस पब्लिक स्कूल की डायरेक्टर लक्ष्मी साहू द्वारा शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। उन्होंने मंच से सभी प्रायोजकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि किसी भी बड़े आयोजन की सफलता में सहयोगियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है और भटगांव के व्यापारियों ने जो सहयोग दिया है वह काबिले तारीफ है।कार्यक्रम के प्रमुख प्रायोजक थे - प्रज्ञा इंस्टीट्यूट, प्रमोद हार्डवेयर, प्रदीप एजेंसी, नामदेव जनरल स्टोर, मोक्षिता बॉडी जिम, संदीप क्लॉथ स्टोर, तरुण इलेक्ट्रॉनिक, मंजू पान पैलेस, गौरी फाइनेंस, मौली फाइनेंस, श्रीराम फर्नीचर, देव बेकरी, देवांगन प्रिंट बिलाईगढ़, विकास कंप्यूटर, के.आर. ज्वेलर्स, केशर जी मार्ट, सोलिस यानमार तथा राहुल केशरवानी ऑटोमोबाइल। सभी प्रायोजकों के सहयोग से यह आयोजन भव्य रूप ले सका। आयोजक संस्था ने सभी सहयोगकर्ताओं के प्रति आभार प्रकट किया।

डायरेक्टर लक्ष्मी साहू ने जताया आभार, कहा - यह भटगांव की एकता का उत्सव था

आयोजन की अभूतपूर्व सफलता पर लोटस पब्लिक स्कूल की डायरेक्टर लक्ष्मी साहू ने समस्त भटगांववासियों, अभिभावकों, प्रतिभागियों, अतिथियों, प्रायोजकों और सहयोगियों का हृदय से धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि ग्रांड रास गरबा केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भटगांव की एकता, उत्साह और आपसी सहयोग का उत्सव रहा। भटगांववासियों एवं अभिभावकों ने जिस उत्साह और अपनत्व के साथ इस आयोजन में सहभागिता निभाई, वह हमारे लिए अत्यंत प्रेरणादायक है। आप सभी के सहयोग से ही दो दिवसीय गरबा महोत्सव सफल और यादगार बन पाया।

पोषण क्रांति की ओर धमतरीः अब स्वागत में गुलदस्ता नहीं, भेंट में मिलेगा मुनगा पौधा

'मुनगा ट्रैकर ऐप' से होगी पौधों के रोपण और सत्यापन की डिजिटल निगरानी

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

धमतरी में कुपोषण मुक्ति और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक अनूठी और अनुकरणीय पहल की शुरुआत हुई है। 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत संचालित 'हर घर मुनगा, घर-घर मुनगा' मुहिम को अब एक जनआंदोलन का रूप दिया जा रहा है, जिसके तहत धमतरी जिले में आयोजित होने वाले सभी विभागीय कार्यक्रमों में अतिथियों के स्वागत के लिए पारंपरिक पुष्पगुच्छ के स्थान पर मुनगा यानी सहजन का पौधा भेंट किए जाने का निर्णय लिया गया है। स्वागत की इस औपचारिकता को बदलकर पौधा भेंट करने की यह पहल न केवल पर्यावरण संरक्षण और पौधारोपण को बढ़ावा देगी, बल्कि स्वस्थ



समाज और पोषणयुक्त परिवारों के निर्माण की दिशा में सामूहिक जिम्मेदारी का संदेश भी जन-जन तक पहुंचाएगी।

इस अभियान को धरातल पर प्रभावी ढंग से उतारने के लिए जिला स्तर पर एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मुनगा पौधों के रोपण, उनकी ऑनलाइन प्रविष्टि, भौतिक सत्यापन और उनके पोषण संबंधी महत्व पर विस्तार से चर्चा की गई। अभियान में पूरी पारदर्शिता और सटीक डेटाबेस तैयार करने के लिए तकनीक का सहारा लिया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान सभी पर्यवेक्षकों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि वे संबंधित कार्यकर्ताओं के माध्यम से रोपित किए गए प्रत्येक मुनगा पौधे की प्रविष्टि अनिवार्य रूप से 'मुनगा ट्रैकर ऐप' पर कराएं और दर्ज की गई जानकारी का समय-समय पर सत्यापन सुनिश्चित करें। इस डिजिटल मॉनिटरिंग का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पौधरोपण केवल कागजों तक सीमित न रहे, बल्कि प्रत्येक घर तक मुनगा की उपलब्धता और उसका नियमित उपयोग फलीभूत हो सके।

सुपरफूड मुनगा- कुपोषण के खिलाफ प्राकृतिक ढाल

मुनगा (सहजन) को यूं ही सुपरफूड नहीं कहा जाता, बल्कि इसकी पत्तियां, भाजी और फलियां पोषक तत्वों का खजाना होती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, मुनगा की हरी पत्तियों में विटामिन ए, विटामिन सी, कैल्शियम, आयरन, प्रोटीन और प्रचुर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट यौगिक पाए जाते हैं। इसकी फलियों का उपयोग सब्जी, दाल और कई पारंपरिक व्यंजनों में किया जाता है, जो शरीर की पोषण संबंधी जरूरतों को आसानी से पूरा करते हैं। विशेष रूप से बढ़ते बच्चों, किशोरियों, गर्भवती महिलाओं और धात्री माताओं के आहार में विविधता लाने और उनके पोषण स्तर को ऊपर उठाने में यह बेहद कारगर साबित हो सकता है। हालांकि, कुपोषण से पूरी तरह बचाव के लिए मुनगा के साथ-साथ दालों, अनाजों, मौसमी फल-सब्जियों और दूध जैसे पौष्टिक खाद्य पदार्थों का संतुलित सेवन भी आवश्यक है।

सेवा संकल्प की कहानी : स्व-सहायता समूह से जुड़कर आत्मनिर्भर बनीं दुर्ग की सोनिया साहू

रायपुर, ग्रामीण इलाकों में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं बैंक सखी (या बीसी सखी - बैंकिंग कॉरस्पॉडेंट सखी) के रूप में कार्य कर रही हैं। ये ग्रामीण नागरिकों को उनके गांव में ही बैंकिंग और वित्तीय सेवाएं उपलब्ध कराती हैं। ग्रामीणों के नए बैंक खाते खोलना और आधार सीडिंग करना। डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर, पेंशन भुगतान और छात्रवृत्ति की राशि का वितरण करना। स्व-सहायता समूहों से जुड़कर महिलाएं आज आत्मनिर्भरता की एक नई मिसाल पेश कर रही हैं। शासन की विभिन्न योजनाओं और प्रशिक्षण का लाभ उठाकर महिलाएं न सिर्फ अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत कर रही हैं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को जरूरी सेवाएं उपलब्ध कराने में भी अहम योगदान दे रही हैं। ऐसी ही एक प्रेरणादायक कहानी ग्राम बोडेगांव निवासी श्रीमती सोनिया साहू की सामने आई है। बैंक सखी के रूप में कार्य स्व-सहायता समूह से जुड़ने और उचित प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद श्रीमती सोनिया साहू वर्तमान में ग्रामीण ननकट्टी में बैंक सखी के रूप में अपनी सेवाएं दे रही हैं।

कार्य के जरिए उन्हें प्रतिमाह लगभग 3 हजार यपए की आय प्राप्त हो रही है, जिससे उन्हें आर्थिक संबल और आत्मनिर्भरता का पूरा एहसास हो रहा है। बैंक सखी के रूप में कार्य शुरू करने के लिए उन्होंने स्व-सहायता समूह के आर्थिक सहयोग ने उन्हें स्वरोजगार शुरू करने में महत्वपूर्ण मदद दी। आज वे डिजिटल भुगतान, बैंकिंग लेन-देन, बीमा सहित विभिन्न वित्तीय सेवाओं के माध्यम से ग्रामीणों को सुविधाएं उपलब्ध करा रही हैं।

आत्मविश्वास में बढ़ोतरी बैंक सखी के रूप में ग्रामीण क्षेत्रों तक बैंकिंग सेवाएं पहुंचाने के इस कार्य ने उनके आत्मविश्वास को काफी बढ़ाया है और उन्हें महिला सशक्तिकरण की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी है। श्रीमती सोनिया साहू का कहना है कि स्व-सहायता समूह से जुड़ने और प्रशिक्षण मिलने से उन्हें जीवन में आगे बढ़ने का सुनहरा अवसर मिला है। वह इस पहल से बेहद खुश हैं और ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के निरंतर प्रयासों के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करती हैं।

न्यूज इन शॉर्ट

छत्तीसगढ़ में दीपावली अवकाश अब 6 दिन का, स्कूल शिक्षा विभाग ने जारी किया संशोधित आदेश

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग ने शिक्षण सत्र 2026-27 के लिए पूर्व में घोषित दीपावली अवकाश में आंशिक संशोधन करते हुए अब कुल 6 दिनों का अवकाश घोषित किया है। संशोधित आदेश के अनुसार प्रदेश के शासकीय, अनुदान प्राप्त एवं गैर अनुदान प्राप्त स्कूलों तथा डी.एड., बी.एड., एम.एड. महाविद्यालयों में 6 नवंबर से 11 नवंबर 2026 तक दीपावली अवकाश रहेगा।

उप सचिव स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 16 अक्टूबर 2026 को जारी आदेश के अनुसार पूर्व में 21 सितंबर 2026 को जारी शैक्षणिक कैलेंडर में दीपावली अवकाश 6 नवंबर से 10 नवंबर 2026 तक कुल 5 दिनों के लिए निर्धारित किया गया था। राज्य शासन ने उक्त आदेश में आंशिक संशोधन करते हुए दीपावली अवकाश की अवधि एक दिन बढ़ाकर 11 नवंबर 2026 तक कर दी है। इस निर्णय से प्रदेश के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं शैक्षणिक संस्थानों को दीपावली पर्व के अवसर पर एक अतिरिक्त दिन का अवकाश मिलेगा।

पक्की छत के नीचे सुकून से रहने लगा बिहारीलाल का परिवार'

कोरिया।सीमित खेती और मजदूरी से छह सदस्यों के परिवार का भरण-पोषण करने वाले श्री बिहारीलाल के लिए पक्का मकान बनाना आसान नहीं था। रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करने में ही आमदनी खर्च हो जाती थी। प्रधानमंत्री आवास योजना - ग्रामीण से मिले सहयोग ने उनकी यह चिंता दूर की है। आज वे अपने परिवार के साथ पक्के मकान में सुरक्षित और सुकून भरा जीवन बिता रहे हैं।जनपद पंचायत सोनहत की ग्राम पंचायत सलगंवाकला निवासी बिहारीलाल के पास खेती की जमीन बहुत कम है। परिवार की आजीविका मुख्य रूप से वर्षभर मिलने वाली मजदूरी पर निर्भर है। सीमित आय और पारिवारिक जिम्मेदारियों के बीच वे चाहकर भी पक्का मकान बनाने के लिए राशि नहीं जुटा पाते थे।विगत वर्ष प्रधानमंत्री आवास योजना - ग्रामीण की पात्रता सूची में बिहारीलाल का नाम शामिल हुआ। योजना के अंतर्गत आर्थिक सहायता मिलने पर उन्होंने मकान का निर्माण शुरू किया। परिवार के सदस्यों ने भी मेहनत की और मिलकर अपना पक्का आवास तैयार कर लिया।पक्का मकान बनने से परिवार को मौसम की परेशानियों से राहत मिली है। अब बारिश और ठंड में सुरक्षित रहने की चिंता कम हुई है। जिस घर का निर्माण कभी अपनी सामर्थ्य से बाहर लगता था, उसी घर में आज पूरा परिवार साथ रह रहा है।'रोजीरोटी चलाना कठिन था, मकान कैसे बनाते'बिहारीलाल मुस्कुराते हुए बताते हैं कि मजदूरी की कमाई से छह सदस्यों के परिवार की रोजीरोटी चलाना ही कठिन था। ऐसे में पक्का मकान बनाने के बारे में सोच नहीं पाते थे। प्रधानमंत्री आवास योजना से मिली सहायता ने उनके लिए यह संभव कर दिया। वे कहते हैं कि अब परिवार को किसी भी मौसम में सुरक्षा की चिंता नहीं रहती।बिहारीलाल का परिवार पक्की छत मिलने से राहत महसूस कर रहा है। योजना से मिला सहयोग उनके लिए सुरक्षित आशियाने के साथ जीवन में स्थिरता और सुकून का आधार बना है।

भर्ती घोटाला- टामन सिंह सोनवानी की जमानत खारिज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की वर्ष 2020 और 2021 की भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूर्व अध्यक्ष टामन सिंह सोनवानी को हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने उनकी नियमित जमानत याचिका खारिज कर दी है। जस्टिस बिभु दत्ता गुरु की सिंगल बेंच ने कहा कि उपलब्ध साक्ष्य प्रथम दृष्टया मनी लॉन्ड्रिंग के कथित अपराध में आवेदक की संलिप्तता की ओर संकेत करते हैं। अदालत ने माना कि धन शोधन निवारण अधिनियम की धारा 45 के तहत जमानत देने के लिए आवश्यक शर्तें पूरी नहीं होती हैं। गुरुवार को दोनों पक्षों की बहस पूरी होने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था।

हाईकोर्ट ने जमानत याचिका की खारिज छत्तीसगढ़ के पूर्व अध्यक्ष टामन सिंह सोनवानी ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिताकी धारा 483 के तहत नियमित जमानत के लिए हाईकोर्ट में आवेदन प्रस्तुत किया था। मामले की सुनवाई जस्टिस बीडी गुरु की सिंगल बेंच में हुई। सुनवाई के दौरान प्रवर्तन निदेशालयने जमानत आवेदन का विरोध किया।

मेहनत और बिहान के सहयोग से आत्मनिर्भरता की नई कहानी लिख रहीं श्रीमती जयकुंवर'





एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

कभी सीमित खेती और मजदूरी से परिवार की जरूरतें पूरी करने वाली ग्राम विक्रमपुर की श्रीमती जयकुंवर आज तीन व्यवसाय संचालित कर रही हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' से मिले आर्थिक सहयोग और अपनी मेहनत से उन्होंने परिवार की आजीविका को नया आधार दिया है। इन गतिविधियों से उनकी सालाना आय लगभग दो लाख रुपये तक पहुंच गई है।

विकासखंड सोनहत के ग्राम विक्रमपुर निवासी श्रीमती जयकुंवर पहले अपने पति श्री तीरथ सिंह के साथ थोड़ी-सी जमीन पर वर्षा आधारित खेती करती थीं। इसके अलावा पंचायत एवं ग्रामीण विकास की रोजगारमूलक योजनाओं में मजदूरी परिवार की आय का सहारा थी। सीमित आमदनी के कारण उन्हें अक्सर आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था।

समूह से जुड़कर मिली आगे बढ़ने की राह'

गांव में बिहान के अंतर्गत संचालित स्व-सहायता समूह की सदस्य बनने के बाद जयकुंवर को आजीविका बढ़ाने के अवसरों की जानकारी मिली। समूह के माध्यम से उन्हें पहले 15 हजार रुपये और बाद में 60 हजार रुपये का ऋण प्राप्त हुआ। इस राशि से उन्होंने छोटे व्यवसाय शुरू कर परिवार की आय बढ़ाने का निर्णय लिया।

जयकुंवर ने जनरल स्टोर और फैंसी सामान की दुकान खोली। साथ ही गांव में चिकन की मांग को देखते हुए चिकन सेंटर भी शुरू किया। स्थानीय जरूरतों के अनुरूप व्यवसाय चुनने और उनके संचालन में मेहनत करने से उन्हें नियमित आमदनी मिलने लगी।

'तीन व्यवसायों से मजबूत हुई परिवार की आर्थिक स्थिति'

आज जयकुंवर के पास खेती और मजदूरी के अलावा आय के तीन साधन हैं। इन व्यवसायों से सालाना लगभग दो लाख रुपये की आय होने से परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। स्वयं का काम खड़ा करने से उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा है।

जयकुंवर की यह पहल बताती है कि समय पर मिला आर्थिक सहयोग और स्थानीय जरूरतों की समझ ग्रामीण महिलाओं के लिए स्वरोजगार की राह खोल सकती है। बिहान से मिले अवसर को उन्होंने अपनी मेहनत से परिवार की आर्थिक मजबूती का आधार बनाया है।

विभाग ने 15 दिनों में मांगा जवाब

सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज शिकायतों के निराकरण को लेकर शासन गंभीर

शिकायतों को बिना सारगर्भित टीप के बंद किए जाने पर पीडब्लूडी के 13 अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

नागरिकों द्वारा सीएम हेल्पलाइन-1076 पर दर्ज कराई गई शिकायतों के समाधान को लेकर राज्य शासन बेहद गंभीर है। पोर्टल पर दर्ज शिकायतों का संबंधित विभागों द्वारा सक्रियता और गंभीरता से निराकरण किया जा रहा है। लोक निर्माण विभाग ने सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज शिकायतों के असंतोषप्रद समाधान और लापरवाही पर 13 अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इनमें तीन अधीक्षण अभियंता, पांच कार्यपालन अभियंता और पांच अनुविभागीय अधिकारी शामिल हैं।

सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों को बिना सारगर्भित टीप के बंद किए जाने के कारण लोक निर्माण विभाग द्वारा अधिकारियों के विरुद्ध ये कार्रवाई की गई है। सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर विगत दो महीनों अगस्त और सितम्बर माह में लोक निर्माण विभाग से संबंधित शिकायतों की समीक्षा में पाया गया कि एल-1, एल-2 और एल-3 स्तर पर शिकायतों को ऐसी टीप के साथ बंद किया गया है, जो शिकायत का समाधान नहीं दर्शाती है।

विभाग ने एल-1 स्तर पर शिकायतों के असंतोषप्रद समाधान पर राष्ट्रीय राजमार्ग उप संभाग बिलासपुर के अनुविभागीय अधिकारी श्री अतुल राज पेगवार, बेमेतरा उप संभाग के अनुविभागीय अधिकारी श्री राजेश कुमार बाजपेयी, पेंड्रा उप संभाग के अनुविभागीय अधिकारी श्री जगदीश प्रसाद, सेतु उप संभाग दुर्ग के अनुविभागीय अधिकारी श्री अशोक कुमार हरियाले और पाटन उप संभाग की अनुविभागीय अधिकारी श्रीमती सोनल ढालेन्द्र को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।एल-2 स्तर पर शिकायतों के उचित निराकरण नहीं होने पर विभाग द्वारा बेमेतरा संभाग के कार्यपालन अभियंता श्री केशव प्रसाद लहरे, कोरबा संभाग के कार्यपालन अभियंता श्री घासीराम जांगड़े, राष्ट्रीय राजमार्ग संभाग बिलासपुर के कार्यपालन अभियंता श्री रोशन कुमार साहू, सारंगढ़ संभाग के कार्यपालन अभियंता श्री प्यारे लाल पैकरा और कांकेर संभाग की कार्यपालन अभियंता श्रीमती प्रज्ञा नंद को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

इसी प्रकार से सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों को एल-3 स्तर पर बिना सारगर्भित टीप के बंद किए जाने पर मंडल क्रमांक-2, रायपुर के अधीक्षण अभियंता श्री डी.के. नेताम, दुर्ग मंडल की अधीक्षण अभियंता श्रीमती अर्पणा चौरपगार तथा राष्ट्रीय राजमार्ग मंडल बिलासपुर के अधीक्षण अभियंता श्री महादेव लहरे को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

महिला किसानों के आर्थिक स्वावलंबन का केंद्र बना कटगोड़ी का एकीकृत कृषि क्लस्टर'

'खेती के साथ पशुपालन और अन्य आजीविका गतिविधियों से बढ़ रहे आय के अवसर'

एक सत बुलेटिन ➤ कोरिया

सोनहत के वनांचल में महिला किसान अब परंपरागत खेती के साथ आधुनिक तकनीक और आजीविका के नए साधनों को अपनाकर आगे बढ़ रही हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' के अंतर्गत कटगोड़ी में गठित एकीकृत कृषि क्लस्टर उनके इन प्रयासों का केंद्र बन रहा है। यहां खेती के साथ सब्जी उत्पादन, मुर्गी पालन, बकरी पालन और अन्य गतिविधियों के माध्यम से परिवारों की आय बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है।

सोनहत के 12 गांवों को शामिल कर बनाए गए इस क्लस्टर में 1,200 किसान परिवारों का चयन किया गया है। प्रथम चरण में 360 परिवारों के साथ काम किया जा रहा है। उद्देश्य प्रत्येक परिवार को खेती के साथ तीन से चार अतिरिक्त कृषि आधारित आजीविका गतिविधियों से जोड़ना है, ताकि उनके पास आय के विविध स्रोत उपलब्ध हों। इसके लिए आधुनिक कृषि तकनीक, उन्नत बीज, कृषि उपकरण और आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

'ग्राफ्टेड टमाटर की खेती से बढ़ा भरोसा'

इस वित्तीय वर्ष में क्लस्टर के माध्यम से लगभग 260 महिला किसानों को ग्राफ्टेड टमाटर के पौधे उपलब्ध कराए गए। इस तकनीक से मिले बेहतर उत्पादन ने महिला किसानों का उत्साह बढ़ाया है।

ग्राम दामुज एवं अंगवाही की महिला किसान चंद्रावती और मंगली दीदी ने बताया कि ग्राफ्टेड पौधों से इस वर्ष टमाटर का उत्पादन पहले की तुलना में लगभग डेढ़ गुना हुआ है। उनके अनुसार, फसल की बिक्री से अब तक लागत से अधिक राशि प्राप्त हो चुकी है और इस बार लगभग दोगुना लाभ होने की संभावना है।

बेहतर परिणाम मिलने से किसान आगामी वर्ष के लिए भी ग्राफ्टेड टमाटर के पौधों की मांग दर्ज कराने लगे हैं। यह अनुभव ग्रामीण महिलाओं में आधुनिक कृषि तकनीक अपनाने का विश्वास मजबूत कर रहा है।



'खेती के साथ पशुपालन से अतिरिक्त आय की पहल'

क्लस्टर में खेती के अलावा बैकयार्ड पोल्ट्री को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके लिए किसानों को देशी प्रजाति के तैयार चूजे उपलब्ध कराए जा रहे हैं। बकरी पालन के लिए पांच मादा बकरी और एक बकरे की इकाई के माध्यम से आजीविका विकसित करने का कार्य किया जा रहा है।इसके साथ बकरी शेड निर्माण, मत्स्य पालन, नकदी फसल उत्पादन और जैविक खाद निर्माण जैसी गतिविधियों को भी प्रोत्साहन दिया जा रहा है। इन प्रयासों से किसान परिवारों की केवल एक फसल पर निर्भरता कम करने और अतिरिक्त आमदनी के अवसर तैयार करने पर ध्यान दिया जा रहा है।

नियमित मार्गदर्शन से मिल रही आगे बढ़ने की दिशा

इस पहल में बिहान मिशन के साथ प्रदान संस्था के प्रतिनिधि भी किसानों को सहयोग दे रहे हैं। नियमित क्षेत्रीय भ्रमण के माध्यम से फसल प्रबंधन, वैज्ञानिक तकनीक और आधुनिक कृषि पद्धतियों की जानकारी दी जा रही है। इससे महिला किसानों को नई गतिविधियां अपनाने और खेती के दौरान आने वाली समस्याओं का समाधान करने में मदद मिल रही है।

कटगोड़ी का एकीकृत कृषि क्लस्टर महिला किसानों की मेहनत को व्यावसायिक दिशा देने का माध्यम बन रहा है। खेती और उससे जुड़ी गतिविधियों में उनकी बढ़ती भागीदारी परिवारों की आजीविका को मजबूत करने के साथ महिलाओं के आत्मविश्वास को भी नई ताकत दे रही है।

सेवा की कहानी : पक्के आवास से नंदलाल के परिवार को मिली सुरक्षा और सुकून

प्रधानमंत्री आवास योजना - ग्रामीण से पूरा हुआ सपना, पांच सदस्यीय परिवार को मिला सुरक्षित आशियाना

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

वर्षों तक कच्चे मकान में रहने वाले ग्राम पंचायत बोड़ार के श्री नंदलाल का पक्के घर का सपना प्रधानमंत्री आवास योजनादृग्रामीण से पूरा हुआ है। खेती-किसानी से परिवार की आजीविका चलाने वाले नंदलाल के लिए सीमित आय में मकान बनाना कठिन था। योजना से मिली आर्थिक सहायता और अपनी बचत से उन्होंने पक्का आवास



तैयार किया है। अब उनका पांच सदस्यीय परिवार सुरक्षित घर में सुकून से रह रहा है।

जनपद पंचायत बैकुंठपुर के ग्राम पंचायत बोड़ार निवासी श्री नंदलाल के पिता का नाम श्री सिंगारसाय है। किसान परिवार में पले-बढ़े नंदलाल ने अपना अधिकांश जीवन खेती-किसानी में बिताया। पैतृक संपत्ति में मिली कुछ कृषि भूमि और कच्चा मकान ही परिवार का सहारा थे। उनके मन में पक्का घर बनाने की इच्छा थी, लेकिन आर्थिक कठिनाइयों के कारण यह पूरी नहीं हो पा रही थी।आर्थिक सहायता से मिली निर्माण की राह

विगत वर्ष प्रधानमंत्री आवास योजना - ग्रामीण की पात्रता सूची में नंदलाल का नाम शामिल हुआ। योजना के तहत आर्थिक सहायता मिलने पर उन्होंने आवास निर्माण शुरू किया।

'प्रधानमंत्री आवास योजन - ग्रामीण से पूरा हुआ सपना, चार सदस्यीय परिवार को मिला सुरक्षित आशियाना'

'पक्के मकान से सखत्तर लाल के परिवार को मिली सुरक्षा और आत्मसम्मान'

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

जीवनभर मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करने वाले श्री सखत्तर लाल के लिए पक्का मकान बनाना उनकी आर्थिक क्षमता से बाहर था। सीमित आमदनी में रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करना ही चुनौती थी। प्रधानमंत्री आवास योजना - ग्रामीण से मिले सहयोग ने उनकी यह इच्छा पूरी की है। अब उनका चार सदस्यीय परिवार पक्के मकान में सुरक्षा, संतोष और आत्मसम्मान के साथ रह रहा है।



जनपद पंचायत सोनहत की ग्राम पंचायत सलगंवाकला निवासी 55 वर्षीय सखत्तर लाल की आजीविका मुख्य रूप से मजदूरी पर निर्भर है। वे किसानों के खेतों में काम करने के साथ ग्रामीण विकास की रोजगारमूलक योजनाओं में मजदूरी करते हैं। परिवार की जरूरतों पर आय खर्च हो जाने के कारण मकान बनाने के लिए बचत नहीं हो पाती थी।

'योजना से मिला पक्की छत का सहारा'

विगत वर्ष प्रधानमंत्री आवास योजना - ग्रामीण की पात्रता सूची में सखत्तर लाल का नाम शामिल हुआ। योजना के तहत मिली आर्थिक सहायता से उनका पक्का मकान बनकर तैयार हुआ। वर्षों से कच्चे घर में रह रहे परिवार के लिए यह बदलाव राहत लेकर आया है।

सखत्तर लाल के लिए यह मकान सुरक्षित रहने की सुविधा के साथ अपनी मेहनतभरी जिंदगी में एक बड़ी उपलब्धि भी है। वे इसे परिवार की सामाजिक पहचान और आत्मसम्मान से जोड़कर देखते हैं।

'रोजीरोटी के संघर्ष में मकान बनाना कठिन था'

सखत्तर लाल बताते हैं कि मजदूरी की कमाई से चार सदस्यों के परिवार की रोजीरोटी चलाने में ही काफी संघर्ष करना पड़ता था। ऐसे में पक्का मकान बनाने के बारे में सोच नहीं पाते थे। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आवास योजना ने उनके जैसे श्रमिक परिवार को पक्की छत का सहारा दिया है।आज अपने घर में परिवार के साथ रह रहे सखत्तर लाल संतुष्ट हैं। प्रधानमंत्री आवास योजनादृग्रामीण से मिला सहयोग उनके जीवन की एक बड़ी चिंता दूर करने और परिवार को सुरक्षित आशियाना उपलब्ध कराने का माध्यम बना है।

टीम इंडिया को क्यों खल रही पावर पैकेज की कमी



एजेंसी ➤ मुंबई

टीम इंडिया को जब तेजी से रन बनाने होते हैं, हार्दिक पंड्या याद आते हैं. जब बीच के ओवरों में विकेट चाहिए या डेथ ओवरों में रनों पर लगाम लगानी होती है, तब भी हार्दिक की जरूरत महसूस होती है. और जब मुकाबला आखिरी गेंदों तक पहुंचे, तब मैदान पर उनकी मौजूदगी कप्तान का भरोसा बढ़ाती है. लेकिन फिलहाल चोट ने भारत के इस स्टार ऑलराउंडर को मैदान से दूर कर रखा है. उनकी वापसी में देरी हो रही है और टीम इंडिया के सामने सबसे बड़ा सवाल है- आखिर हार्दिक की जगह कौन लेगा? भारतीय क्रिकेट में बल्लेबाजों और गेंदबाजों की कमी नहीं है. ऑलराउंडर भी हैं, लेकिन हार्दिक जैसा तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर तैयार करना आसान नहीं. ऐसा खिलाड़ी, जो निचले मध्यक्रम में उतरकर कुछ ही गेंदों में मैच का रुख बदल दे, नई गेंद से भी योगदान दे और जरूरत पड़ने पर डेथ ओवरों की जिम्मेदारी भी उठा सके. हार्दिक की खासियत यही है कि वह टीम को एक साथ कई विकल्प देते हैं. हार्दिक पंड्या आईपीएल 2026 के बाद से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से दूर हैं. उनकी वापसी की उम्मीद तब जगी, जब उन्हें ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ तीन मैचों की अनऑफिशियल वनडे सीरीज के लिए भारत-ए की टीम में शामिल किया गया. हालांकि, उनकी उपलब्धता फिटनेस क्लीयरेंस पर निर्भर थी. गेंदबाजी के दौरान दर्द की समस्या बनी रहने के कारण यह वापसी भी टल गई. सितंबर के आखिर में उनकी दाहिनी पिंडली के निचले हिस्से में दोबारा परेशानी सामने आई थी. इसके बाद उनकी रिकवरी और मैदान पर वापसी को लेकर सवाल खड़े हो गए. हार्दिक मार्च 2025 में चैम्पियंस ट्रॉफी फाइनल के बाद से वनडे भी नहीं खेले हैं. यह स्थिति इसलिए चिंताजनक है, क्योंकि भारत को 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए अपना संयोजन तैयार करना है. हार्दिक पूरी तरह फिट रहते हैं, तो टीम को बल्लेबाजी में गहराई और गेंदबाजी में अतिरिक्त विकल्प मिलता है. लेकिन अगर उनकी फिटनेस बार-बार बाधा बनती है।

4 साल बाद हुई भुवी की वापसी!



भारत और वेस्टइंडीज के बीच पांचवें टी20 मुकाबले से पहले टीम इंडिया में बड़ा बदलाव हुआ है. तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के चोटिल होने के बाद भुवनेश्वर कुमार को भारतीय स्क्वॉड में शामिल किया गया है. सीरीज का निर्णायक मुकाबला 17 अक्टूबर को बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा. भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (ब्रह्मष्टद्ब) के मुताबिक, अर्शदीप सिंह को बुधवार को हैदराबाद में खेले गए चौथे टी20 मुकाबले के दौरान गेंदबाजी वाले कंधे पर चोट लगी थी. पांचवें मैच में उनकी उपलब्धता पर फैसला मुकाबले से पहले उनकी रिकवरी को देखते हुए लिया जाएगा. अर्शदीप की चोट के बाद चयन समिति ने भुवनेश्वर कुमार को टीम में शामिल किया है. हालांकि, अर्शदीप की जगह भुवनेश्वर को शामिल किए जाने का मतलब यह नहीं है कि अर्शदीप निर्णायक मुकाबले से बाहर हो गए हैं।

चामिंडा वास पहली बार आईपीएल में कोचिंग देंगे



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

श्रीलंका के पूर्व तेज गेंदबाज चामिंडा वास पहली बार आईपीएल में कोचिंग करेंगे। उन्हें दिल्ली कैपिटल्स ने फास्ट बॉलिंग कोच बनाया है। वे अगले आईपीएल सीजन में मुनाफ पटेल की जगह लेंगे।

फ्रेंचाइजी ने अपने ऑफिशियल ङ्क हैंडल पर लिखा, 'वर्ल्ड कप विजेता और श्रीलंका के अब तक के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी। कोच, टाइगर टेरिटरी में आपका स्वागत है।'वास से पहले युवराज सिंह और सौरव गांगुली जैसे बड़े नाम दिल्ली की टीम से जुड़ चुके हैं। युवराज 14 अक्टूबर को बैटिंग और असिस्टेंट कोच बने थे। जबकि 6 अक्टूबर को टीम के हेड कोच बनाए गए थे।वास पहली बार भारतीय लीग की टीम को कोचिंग देंगे।

सहवाग के बेटे आर्यवीर ने 173 रन बनाए:1

9 चौके-8 छक्के लगाए, वीनू मांकड़ ट्रॉफी में दिल्ली के लिए खेली कप्तानी पारी

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

पूर्व भारतीय ओपनर वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर ने शुक्रवार को वीनू मांकड़ ट्रॉफी में दिल्ली -19 की ओर से 173 रन की पारी खेली। वे दिल्ली -19 के कप्तान भी हैं।आंध्र प्रदेश के विजयनगरम स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में चंडीगढ़ -19 के खिलाफ हुए मैच में आर्यवीर ने 143 गेंदों पर 19 चौके और 8 छक्के लगाए।दिल्ली ने 50 ओवर में 289 रन बनाए, हालांकि चंडीगढ़ ने 41.3 ओवर में 5 विकेट खोकर यह टारगेट चेज कर लिया।

भारत के लिए पिछले महीने अंडर-19 डेब्यू किया

आर्यवीर ने पिछले महीने भारतीय अंडर-19 टीम के लिए डेब्यू किया।



कूच बिहार ट्रॉफी में 297 रन बनाए थेआर्यवीर सहवाग ने दिल्ली प्रीमियर लीग के 2026 सीजन में वेस्ट दिल्ली लायंस के लिए खेला। उन्होंने 2 मैचों में 24 रन बनाए।वे इससे पहले 2024 में कूच बिहार ट्रॉफी में मेघालय के खिलाफ 297 रन की पारी खेलकर चर्चा में आए थे।

वीनू मांकड़ के नाम पर ट्रॉफी

वीनू मांकड़ ट्रॉफी BCCI ·ी ओर से कराई जाने वाली अंडर-19 वनडे क्रिकेट टूर्नामेंट है। इसमें देश के अलग-अलग राज्यों और क्रिकेट संघों की अंडर-19 टीमें हिस्सा लेती हैं।यह टूर्नामेंट 50 ओवर के फॉर्मेट में खेला जाता है। इसका नाम भारत के पूर्व क्रिकेटर वीनू मांकड़ के नाम पर रखा गया है।राहुल द्रविड़ के दोनों बेटे समित और अन्वय द्रविड़ क्रिकेट में अपना एज कैटेगरी में खेलते हैं।

व्यापार

पीएफ कटौती का नया कैलकुलेशन



अमेरिकी शेयर मार्केट में ट्रेडिंग करने वालों के लिए बड़ा बदलाव होने वाला है. अभी न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज (ह्वह्लस्श्व) और नैस्डैक (ह्वह्लह्यस्रह्लह्व) का मुख्य कारोबारी समय सुबह 9ः30 बजे से शाम 4 बजे तक रहता है. लेकिन 6 दिसंबर 2026 से अमेरिकी शेयर मार्केट में रात के समय भी ट्रेडिंग का नया सेशन शुरू होने जा रहा है. इसके तहत रात 9 बजे से सुबह 4 बजे तक शेयरों की खरीद-बिक्री हो सकेगी. इससे अमेरिकी बाजार हफ्ते में 5 दिन करीब 23 घंटे तक ट्रेडिंग के लिए खुला रहेगा.

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन की ओर से हाल ही में एक बड़ा बदलाव (श्वक्कन्नह ऋह्वद्यद्द ष्टद्धड्डुठ्ठद्दद्द) किया गया है। इसके तहत ईपीएफओ कवरेज के लिए सैलरी लिमिट को पहले के 15,000 रुपये प्रति माह से बढ़ाकर 25,000 रुपये मंथली किया गया है। सरकार को उम्मीद है कि इस बदलाव से 51 लाख से अधिक अतिरिक्त कर्मचारी इसके दायरे में आ जाएंगे। श्वक्कन्नह द्वारा निर्धारित संशोधित 25,000 रुपये की सैलरी लिमिट अक्टूबर 2026 से लागू होगी और इसके साथ ही कर्मचारियों का वेतन में से पीएफ कटौती बढ़ जाएगी।

गौरतलब है कि पहले ईपीएफओ ने सैलरी लिमिट 15000 रुपये तय की हुई थी। यानी पुरानी सीमा के तहत ?20,000 प्रति माह की बेसिक सैलरी पर किसी कंपनी में शामिल होने वाला कर्मचारी वैधानिक सीमा से ऊपर था और खुद ही इसके दायरे में नहीं आता था, लेकिन अब लिमिट 25,000 तक बढ़ने के बाद वो भी अनिवार्य कवरेज के अंतर्गत आ जाता है यानी उसका पीएफ पेंशन में योगदान शुरू हो जाएगा।



इससे सबसे बड़ा फायदा ये है कि उस 20 हजार रुपये कमाने वाले कर्मचारी को रिटायरमेंट के लिए जमा किए गए क्कन्न का लाभ मिलेगा, ईपीएस के तहत पेंशन की पात्रता होगी और कर्मचारी जमा से जुड़ी बीमा योजना के तहत बीमा कवर मिलेगा।

7 सितंबर से प्रभावी नई लिमिट श्वक्कन्नह की संशोधित 15,000 से बढ़ाकर 25,000 रुपये की वेतन सीमा बीते 17 सितंबर 2026 से प्रभावी हो गई है।

- शादी-विवाह के मौसम की बढ़ती मांग, डॉलर के मुकाबले रुपए की कमजोरी से कीमतें बढ़ीं

बीते सप्ताह खाद्य तेल-तिलहन के दाम में मजबूती, सरसों तेल सोयाबीन से सस्ता

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

देश के तेल-तिलहन बाजार में बीते सप्ताह अधिकांश तेल-तिलहन के दाम मजबूती के साथ बंद हुए। शादी-विवाह के मौसम की बढ़ती मांग, डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी और विदेशों में तेल की ऊंची कीमतों ने इस तेजी में योगदान किया। हरियाणा में पहली बार सरसों तेल का दाम सोयाबीन तेल से कम रहा (सरसों 148.25 प्र?ति ?किलो, सोयाबीन 165 रुपए प्र?ति ?किलो) बिना प्रसंस्करण वाला सरसों तेल सस्ता होने की वजह से इसकी मांग बढ़ी। आवक घटकर 6.75 लाख बोरी रह गई, जिससे दाम मजबूत बने। मूंगफली तेल की कीमत ऊंची होने के कारण स्थिर रही, जबकि बिनौला तेल लगभग 27 रुपए प्र?ति ?किलो सस्ता होने से उपभोक्ताओं का रुझान बढ़ा। कपास नरमा की आवक 42,000 गांठ रह जाने से भी बिनौला तेल के दाम में सुधार हुआ। सोयाबीन डीगम तेल के अंतरराष्ट्रीय दाम बढ़कर 1,360-65 डालर प्र?ति टन हुए। पाम और पामोलीन तेल के दाम भी मजबूत रहे। विशेषज्ञों का कहना है कि देशी तेल-तिलहन उत्पादन बढ़ाना जरूरी है ताकि आयात पर निर्भरता कम हो और घरेलू बाजार स्थिर रहे। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 75 रुपये के सुधार के साथ 7,025-7,050 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 225 रुपये के सुधार के साथ 14,825 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 30-30 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,460-2,560 रुपये और 2,460-2,605 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ।समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमशः 25-25 रुपये की तेजी के साथ क्रमशः 5,725-5,775 रुपये और 5,325-5,475 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए।इसी प्रकार, दिल्ली में सोयाबीन तेल 150 रुपये के सुधार के साथ 16,450 रुपये प्रति क्विंटल, इंदौर में सोयाबीन तेल 150 रुपये के सुधार के साथ 15,850 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल का दाम 100 रुपये के सुधार के साथ 13,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।मूंगफली तिलहन का दाम 7,250-7,725 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 17,550 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 2,770-3,070 रुपये प्रति टिन पर स्थिर रुख के साथ बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में कारोबारी धारणा में आम मजबूती के रुख के अनुरूप, सीपीओ तेल का दाम 25 रुपये के मामूली सुधार के साथ 13,625 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 25 रुपये सुधरकर 15,425 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव भी 25 रुपये की बढ़ोतरी के साथ 14,375 रुपये प्रति क्विंटल के साथ 14,850 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

ईरान युद्ध और घरेलू आंकड़ों से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

- वैश्विक और क्षेत्रीय अनिश्चितताओं के चलते बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है

एजेंसी ➤ मुंबई

घरेलू शेयर बाजारों में पिछले कुछ सप्ताह से जारी गिरावट के बीच आने वाले सप्ताह में एक बार फिर निवेशकों की नजर ईरान युद्ध की स्थिति पर रहेगी। इसके अलावा इस सप्ताह में कुछ प्रमुख आंकड़े भी आने वाले हैं। सोमवार 30 मार्च को फरवरी के औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े जारी होने हैं। पश्चिम एशिया संकट शुरू होने के बाद की तस्वीर बताने वाला मार्च का पहला वृहत आंकड़ा विनिर्माण पीएमआई का होगा जो 2 अप्रैल को जारी होगा। वाहनों की बिक्री के कंपनियों के अलग-अलग आंकड़े भी 1 और 2 अप्रैल को जारी किये जायेंगे। इन सभी कारकों का असर शेयर बाजारों पर दिखेगा। बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में गिरावट का सिलसिला जारी रहा। पश्चिम एशिया में ईरान युद्ध के बढ़ते तनाव और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। इस सप्ताह में निवेशकों की निगाहें ईरान संकट पर रहेंगी। विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक और क्षेत्रीय अनिश्चितताओं के चलते बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है। बीएसई का सेंसेक्स सप्ताह के अंत में 73,583.22 अंक पर बंद हुआ, जो 949.74 अंक यानी 1.27 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक 22,819.60 अंक पर बंद हुआ, जो 294.90 अंक या 1.27 प्रतिशत कम है। मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों पर भी दबाव देखा गया। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.13 प्रतिशत गिरकर बंद हुआ जबकि स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.63 प्रतिशत घटा। सेंसेक्स की 30 प्रमुख कंपनियों में से 20 के शेयरों में साप्ताहिक गिरावट दर्ज की गई। सबसे अधिक गिरावट बीईएल के शेयर में रही, जो 5 प्रतिशत तक लुढ़क गया। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज 4.69 फीसदी, ट्रेंट 4.64 फीसदी, भारतीय स्टेट 3.10 फीसदी और टाइटन 3.09 प्रतिशत टूटे।



वास्तविकताओं से परे

सियासत की अंकतालिका में हिमाचल का नागरिक समाज जिन मुद्दों का मुरीद हो रहा है, वहां प्रदेश की वित्तीय स्थिति घायल व अपाहिज हो चुकी है। आश्चर्य यह कि नागरिक समाज न तो संघर्ष की सतह पर खड़ा हो पाता है और न ही प्रदेश के किरदार में जगह ढूंढ पाता है, लिहाजा इसे आती जाती सरकारों से सियासी खुराक चाहिए। राजनीति यहां पांच साल की खुराक में नागरिक समाज की औकात बता देती है और जहां रीढ़ विहीन मिन्नतें दरबारी बन जाती हैं। समाज केंचुआ प्रवृत्ति को भांपते हुए सियासी मुद्दों की कौन सी समीक्षा करेगा। थोड़ा सा फर्क सोशल मीडिया के कारण जरूर आया है और इसीलिए हकीकत के सामने 'मुखौटे' बेपर्दा होने लगे हैं। अभी हाल ही में जिलों की नई वकालत में प्रदेश के पुराने सारे संदर्भ और परिस्थितियां गुम होने लगी हैं, तो ताजुब्ब नहीं होना चाहिए कि समाज दिन में सपने देखकर अपने अंधेरों को गुमराह करने लगा है। आश्चर्य यह है कि समाज पंचायत जैसी इकाई की कार्यपद्धति में अप्रासंगिक होते हुए भी, यह मनोकामना करता है कि सरकार कुछ नए स्तंभ बनाए, घोषणाओं की मशहूरी करे या ऐसी खुशखबरी सुनाए जो वास्तविकताओं से परे स्वप्न नगरियों का उदय जैसा है। ऐसी ही स्वप्न नगरी से इस बार चादर हटाई तो सामने नए जिलों के सपनों के आगे जनता भीख मांगती नजर आएगी। आप जितनी गिनती कर सकते हैं, उतने जिले उकेर दो। कम से कम सोशल मीडिया के तलबगार तो कह रहे हैं कि हर विधानसभा क्षेत्र में कम से कम एक नया जिला निकल आए। यानी आगामी चुनाव की जीत-हार के लिए कोई न कोई जिला चाहिए। कभी नया स्कूल खोलकर वोट आते थे, फिर मतों ने नए कालेज खोले।मतदाता की ख्वाहिशें बढ़ीं तो विश्वविद्यालयों के परिसर राजनीति के टुकड़ों में बंट गए या चुनाव की हथेलियों पर मेडिकल कालेज रख दिए गए। देखना यह है कि अब जबकि कई शिक्षण संस्थान अप्रासंगिक हो गए, तो वोटर के मन का सौदा कैसे करें।

विचार

सामाजिक समरसता की राह में चुनौतियां

विकेश कुमार बडोला

लेकख

विरोधाभास एक महत्वपूर्ण प्रश्न खड़ा करता है कि जिस समाज की दार्शनिक परंपरा सभी प्राणियों में एक ही चेतना देखने की बात करती है, उसी समाज में मनुष्य-मनुष्य के बीच ऊंच-नीच की दीवारें कैसे खड़ी हो गईं? भारतीय समाज में समानता और समरसता स्थापित करने के प्रयासों का लंबा इतिहास रहा है। महात्मा गौतम बुद्ध, संत कबीर, रविदास, ज्योतिबा फुले, महात्मा गांधी और डा. भीमराव अंबेडकर सहित अनेक चिंतकों और समाज सुधारकों ने सामाजिक भेदभाव के विरुद्ध आवाज उठाई। इन सभी के विचार और कार्यपद्धतियां अलग-अलग थीं, लेकिन सामाजिक परिवर्तन उनकी चिंताओं के केंद्र में था।

सामाजिक समरसता कोई एक बार प्राप्त कर लेने वाला लक्ष्य नहीं, बल्कि निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। इसकी सफलता का प्रमाण बड़े आयोजनों, नारों या घोषणाओं में नहीं, बल्कि हमारे दैनिक व्यवहार और सामाजिक संस्थाओं में दिखाई देना चाहिएज्भारत की सामाजिक और सांस्कृतिक परंपरा अत्यंत समृद्ध रही है। विविध भाषाओं, धर्मों, जातियों और समुदायों के बावजूद इस देश ने सहअस्तित्व की अनूठी मिसाल प्रस्तुत की है। लेकिन इस विविधता के बीच जातिगत भेदभाव, छुआछूत और सामाजिक असमानता जैसी समस्याएं भी लंबे समय से मौजूद रही हैं। यह विरोधाभास एक महत्त्वपूर्ण प्रश्न खड़ा करता है कि जिस समाज की दार्शनिक परंपरा सभी प्राणियों में एक ही चेतना देखने की बात करती है, उसी समाज में मनुष्य-मनुष्य के बीच ऊंच-नीच की दीवारें कैसे खड़ी हो गईं? भारतीय समाज में समानता और समरसता स्थापित करने के प्रयासों का लंबा इतिहास रहा है। महात्मा गौतम बुद्ध, संत कबीर, रविदास, ज्योतिबा फुले, महात्मा गांधी और डा. भीमराव अंबेडकर सहित अनेक चिंतकों और समाज सुधारकों ने सामाजिक भेदभाव के विरुद्ध आवाज उठाई। इन सभी के विचार और कार्यपद्धतियां अलग-अलग थीं, लेकिन सामाजिक परिवर्तन उनकी चिंताओं के केंद्र में था। डा. अंबेडकर ने जाति-व्यवस्था को केवल सामाजिक बुराई नहीं, बल्कि असमानता को बनाए रखने वाली एक संरचनात्मक व्यवस्था के रूप में देखा। उनका मानना था कि जब तक समाज में जन्म के आधार पर व्यक्ति का स्थान और सम्मान निर्धारित होता रहेगा, तब तक वास्तविक समानता संभव नहीं होगी। इसीलिए उन्होंने शिक्षा, संगठन, संघर्ष और संवैधानिक अधिकारों को सामाजिक परिवर्तन का आधार बनाया। दूसरी ओर, डा. केशव बलिराम हेडगेवार ने हिंदू समाज में संगठन और आपसी एकता पर बल दिया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक



संघ की स्थापना के पीछे उनका एक प्रमुख विचार हिंदू समाज को संगठित करना था। संघ की विचारधारा में सामाजिक समरसता को हिंदू समाज की एकता से जोडक़र देखा जाता है। हालांकि अंबेडकर और हेडगेवार के दृष्टिकोण में महत्त्वपूर्ण अंतर था। अंबेडकर जातिगत असमानता को समाप्त करने के लिए सामाजिक संस्थाओं और परंपराओं की बुनियादी समीक्षा आवश्यक मानते थे, जबकि हेडगेवार का प्रमुख जोर सामाजिक संगठन और सामूहिक पहचान पर था। इन दोनों दृष्टिकोणों पर विचार करते समय एक महत्त्वपूर्ण अंतर समझना आवश्यक है। सामाजिक समरसता और सामाजिक समानता एक-दूसरे से जुड़ी हुई अवश्य हैं, लेकिन दोनों का अर्थ एक नहीं है। समरसता का संबंध आपसी सद्भाव, सहयोग और स्वीकार्यता से है, जबकि समानता का अर्थ अधिकारों, अवसरों, संसाधनों और सम्मान में भेदभाव का अभाव है। यदि समाज में सद्भाव की बातें तो हों, लेकिन कुछ समुदायों को शिक्षा, रोजगार, भूमि और सार्वजनिक संसाधनों तक समान पहुंच न मिले, तो ऐसी समरसता अधूरी रहेगी। इसी संदर्भ में सामाजिक न्याय की अवधारणा विशेष महत्त्व रखती है। सदियों से वंचित समुदायों के लिए केवल समान व्यवहार का आश्वासन पर्याप्त नहीं है। ऐतिहासिक अन्याय को पहचानना और उसे दूर करने के लिए ठोस कदम उठाना भी आवश्यक है। भारतीय संविधान ने इसी आवश्यकता को स्वीकार करते हुए समानता, स्वतंत्रता, गरिमा और सामाजिक न्याय को लोकतांत्रिक व्यवस्था का आधार बनाया। डा. अंबेडकर का बौद्ध धर्म अपनाने का निर्णय भी इसी व्यापक सामाजिक संघर्ष के संदर्भ में समझना चाहिए। उन्होंने ऐसे मूल्य देखे, जो उनकी सामाजिक दृष्टि के अनुरूप थे।

विचार

सियासी दलों को सुप्रीम कोर्ट का सबक

योगेंद्र योगी

लेखक

संदेश सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस के जरिए तमाम राजनीतिक दलों को दिया, जोकि सुप्रीम कोर्ट के जरिए राजनीतिक फायदा उठाने का प्रयास कर रहे हैं। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट के बारे में कोई गलतफहमी या अफवाह फैले, इससे पहले ही मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने अप्रत्याशित कदम उठाते हुए पत्रकार वार्ता आयोजित की। सीजेआई ने यह कदम इसलिए उठाया कि नेता कहीं बात का बतंगड़ नहीं बना दे और उसमें सुप्रीम कोर्ट को इसमें नहीं घसीट लें।

सीजेआई ने दूरदर्शिता अपनाते हुए अगले ही दिन प्रेस कांफ्रेंस करके स्थिति स्पष्ट कर दी ताकि राजनीतिक दल उसकी बातों का गलत मतलब नहीं निकाल पाएं और सुप्रीम कोर्ट को राजनीतिक विवाद में नहीं घसीट सकें। सीजेआई सूर्यकांत ने यह भी स्पष्ट किया कि संवैधानिक व्यवस्था के तहत सुप्रीम कोर्ट, प्रशासनिक स्तर पर सरकार के कामकाज में दखल नहीं दे सकता, हालांकि नेताओं को अपने मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए न्यायिक पक्ष में अदालत का दरवाजा खटखटाने की छूट हैज्देश के सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया है कि वह राजनीतिक दलों की सत्ता को लेकर चल रही मारामारी के बीच अखाड़ा नहीं बनेगा। सुप्रीम कोर्ट सिर्फ कायदे कानून और संविधान के दायरे में रह कर ही काम करेगा। दरअसल यह संदेश सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस के जरिए तमाम राजनीतिक दलों को दिया, जोकि सुप्रीम कोर्ट के जरिए राजनीतिक फायदा उठाने का प्रयास कर रहे हैं। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट के बारे में कोई गलतफहमी या अफवाह फैले, इससे पहले ही मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने अप्रत्याशित कदम उठाते हुए पत्रकार वार्ता आयोजित की। सीजेआई ने यह कदम इसलिए उठाया कि नेता कहीं बात का बतंगड़ नहीं बना दे और उसमें सुप्रीम कोर्ट को इसमें नहीं घसीट लें। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधान न्यायाधीश को पत्र लिखकर मुलाकात का समय मांगा था कि वे उन्हें एक ज्ञापन सौंपना चाहते थे जिसमें वोट चोरी रोकने, मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे, मतदाता सूची के एसआईआर को रोकने और पुन: मतपत्र प्रणाली पर लौटने की मांग की गई थी। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने यह मांग यह कहते हुए ठुकरा दी कि यदि सुनवाई चाहते हो तो रिट याचिका दायर करो। सीजेआई ने राहुल गांधी के आधिकारिक ईमेल के जवाब में कहा कि इस तरह की मुलाकात उचित नहीं होगी, क्योंकि जिन मुद्दों पर चर्चा की मांग की गई है, वे पहले से ही सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन हैं।

इसी के साथ सीजेआई ने दूरदर्शिता अपनाते हुए अगले ही दिन प्रेस कांफ्रेंस करके स्थिति स्पष्ट कर दी ताकि राजनीतिक दल उसकी बातों का गलत मतलब नहीं निकाल पाएं और सुप्रीम कोर्ट को राजनीतिक विवाद में नहीं घसीट सकें। सीजेआई सूर्यकांत ने यह भी स्पष्ट किया कि संवैधानिक व्यवस्था के तहत सुप्रीम कोर्ट,



प्रशासनिक स्तर पर सरकार के कामकाज में दखल नहीं दे सकता, हालांकि नेताओं को अपने मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए न्यायिक पक्ष में अदालत का दरवाजा खटखटाने की छूट है। सुप्रीम कोर्ट के इतिहास में एक दो बार ही ऐसा हुआ है, जब सुप्रीम कोर्ट की तरफ से मीडिया के जरिए कोई जानकारी दी गई है, वरना तो मीडिया ही सुप्रीम कोर्ट के फैसलों और सुनवाई की जानकारी देता है। भारतीय सुप्रीम कोर्ट के इतिहास में जजों द्वारा मीडिया से सीधे संवाद करने या प्रेस कॉन्फ्रेंस करने का सबसे चर्चित मौका 12 जनवरी 2018 को आया था। सुप्रीम कोर्ट के चार वरिष्ठ न्यायाधीशों जस्टिस जे. चेलामेश्वर, जस्टिस रंजन गोगोई, जस्टिस मदन बी. लोकूर और जस्टिस कुरियन जोसेफ ने एक ऐतिहासिक प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। भारतीय न्यायिक इतिहास में यह पहला अवसर था जब वर्तमान जजों ने इस तरह मीडिया को संबोधित किया था। इन जजों ने तब के मुख्य न्यायाधीश दीपक मिश्रा के खिलाफ रोस्टर और प्रशासनिक कामकाज को लेकर सार्वजनिक सवाल उठाए थे। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट अपनी अधिकांश जानकारी और फैसले आधिकारिक प्रेस विज्ञप्तियों, अपनी वेबसाइट और सुनवाई के जरिए ही साझा करता है। हाल के दौर में अदालत ने न्यायिक कार्यवाही के लाइव-स्ट्रीमिंग और उसके डिजिटल क्लिप्स के कमर्शियल इस्तेमाल को लेकर भी कड़े नियम तय किए हैं। सीजेआई सूर्यकांत ने मीडिया के सामने स्पष्ट किया था कि मुझे कल बैठक के अनुरोध के संबंध में एक पत्र मिला था। मैंने कल रात ही उसका जवाब दे दिया था, जिसमें उन कारणों का उल्लेख किया गया था कि मैं क्यों नहीं मिल पाऊंगा। सीजेआई ने आगे कहा, सुप्रीम कोर्ट के दरवाजे सभी के लिए खुले हैं।

कसी भी आम नागरिक या निर्वाचित निकाय के सदस्य की किसी भी याचिका का स्वागत है। हर भारतीय नागरिक को अदालत का दरवाजा खटखटाने का अधिकार है। हम उनकी चिंताओं को सुनेंगे और कानून के तहत जो भी उचित होगा, वह करेंगे। सुप्रीम कोर्ट से स्थिति स्पष्ट होने के बाद इंडिया गठबंधन के दलों के पास अपनी मांगों को लेकर कानूनी प्रक्रिया अपनाने का एक ही रास्ता बचा था, वह था रिट याचिका के जरिए न्याय का तकाजा। इंडिया गठबंधन के नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट तक पैदल मार्च निकाला और रिट याचिका दायर की, जिसमें राहुल गांधी, अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव समेत 11 विपक्षी नेता याचिकाकर्ता हैं। इसमें चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पार्टी बनाया गया है। दरअसल इससे पहले सीजेआई से अकेले ही मुलाकात की मांग करके कांग्रेस ने यह साबित करने की कोशिश की थी, इंडिया गठबंधन का नेतृत्व वही करती है। बाकी सब उसके पीछे हैं, किन्तु सीजेआई द्वारा मिलने से इंकार करने से कांग्रेस को अपने दाव में सफलता नहीं मिल सकी।

(एक नजर)

क्यों रखते हैं पापांकुशा एकादशी व्रत समझें महत्व

हिंदू धर्म में एकादशी व्रत का खास महत्व है। यह दिन भगवान विष्णु को समर्पित माना जाता है। हर महीने दो एकादशी आती हैं, दोनों का अपना अलग धार्मिक महत्व है। अश्विन महीने के शुक्ल पक्ष में आने वाली एकादशी को पापांकुशा एकादशी कहा जाता है।मान्यता है कि इस दिन भगवान विष्णु की पूजा करने से पापों से मुक्ति मिलती है। इसके अलावा इस दिन जरूरतमंदों को दान देना भी शुभ माना जाता है। आइए जानते हैं, अक्टूबर में कब रखा जाएगा पापांकुशा एकादशी का व्रत और क्या है पूजा का शुभ मुहूत।द्रिक पंचांग के अनुसार, अश्विन महीने के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि 21 अक्टूबर को दोपहर 2 बजकर 11 मिनट पर शुरू होगी। इसका समापन 22 अक्टूबर को दोपहर 2 बजकर 47 मिनट पर होगा। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार पापांकुशा एकादशी का व्रत 22 अक्टूबर 2026, गुरुवार को रखा जाएगा। इस दिन भगवान विष्णु के साथ नट से दोपहर 12 बजकर 28 मिनट तक रहेगा। इस समय भक्त भगवान विष्णु की पूजा कर सकते हैं।

विचार

पंचायत चुनाव में अड़ंगा क्यों

कुबूल अहमद

लेखक

इलाहाबाद हाईकोर्ट के सख्त आदेश के बाद उत्तर प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों को तीन महीने के भीतर कराना होगा। यूपी में छह महीने से पंचायत चुनाव लटके हुए हैं, लेकिन सवाल यह है कि आखिर क्या अड़चन है और क्यों समय पर चुनाव नहीं हो सके।उत्तर प्रदेश में छह महीने पहले ही पंचायत चुनाव हो जाने चाहिए थे, लेकिन नहीं हो सके। सवाल केवल चुनाव के मतदान की तारीख तय होने तक सीमित नहीं है। इसके पीछे पंचायतों के आरक्षण, निर्वाचन क्षेत्रों की स्थिति, पिछड़े वर्गों के प्रतिनिधित्व, मतदाता सूची, चुनावी तैयारियों और न्यायिक प्रक्रिया से जुड़े कई सवाल हैं। जब इन प्रक्रियाओं में से किसी एक पर कानूनी विवाद खड़ा होता है, तो उसका असर ग्राम पंचायत से लेकर क्षेत्र पंचायत और जिला पंचायत तक के चुनाव कार्यक्रम पर पड़ता है।



यूपी पंचायत चुनाव में हो रही देरी को लेकर मामला अदालत तक पहुंच गया। हाईकोर्ट के सख्त रुख अख्तियार किए जाने के बाद यूपी ओबीसी आयोग का गठन किया गया, उसके बाद भी चुनाव नहीं हो सके। अब हाईकोर्ट ने यूपी ओबीसी आयोग से एक महीने में रिपोर्ट और यूपी सरकार को तीन महीने में पंचायत चुनाव कराने के आदेश दिए हैं।

पंचायत चुनाव में हो रही देरी की सबसे बड़ी वजह ओबीसी आयोग की रिपोर्ट है या फिर सरकार टाला-मटोली कर रही है। मामले में सबसे अहम बात है कि हाईकोर्ट के ताजा आदेश में वास्तव में क्या कहा गया है, आदेश किन पक्षों पर लागू होता है और अदालत ने सरकार तथा राज्य निर्वाचन आयोग को क्या निर्देश दिया है। इन्हीं सारे बिंदुओं से तय होगा कि यूपी में पंचायत चुनाव की प्रक्रिया कितनी जल्दी आगे बढ़ सकती है।

तीन महीने में पंचायत चुनाव कराने की डेडलाइन

यूपी पंचायत चुनाव को लेकर 14 अक्टूबर 2026 को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दशरथ यादव और अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए उत्तर प्रदेश सरकार और राज्य निर्वाचन आयोग को पंचायत चुनाव की प्रक्रिया तत्काल आगे बढ़ाने और फैसले की तारीख से तीन महीने के भीतर चुनाव पूरा करने का निर्देश दिया। अदालत ने मौजूदा आरक्षण व्यवस्था के तहत चुनाव कराने को कहा है, जिसके लिए एक महीने में ओबीसी आयोग को अपनी रिपोर्ट देने का आदेश दिया है।

राज्य सरकार और यूपी निर्वाचन आयोग को अब तैयारियों और पंचायत चुनाव कार्यक्रम को निर्धारित अवधि के भीतर पूरा करना है। पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट लंबित होने को चुनाव टालने का आधार नहीं माना गया। अदालत ने निवर्तमान ग्राम प्रधानों को प्रशासक बनाए जाने के आदेश को रद्द करने से इनकार किया, लेकिन यह व्यवस्था निर्वाचित पंचायत का स्थायी विकल्प नहीं है।उत्तर प्रदेश के पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कहा है कि पिछड़ा वर्ग की रिपोर्ट आने के बाद यूपी पंचायत चुनाव करा दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट के आदेश पर ही पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन किया गया है। अब रिपोर्ट का इंतजार है, रिपोर्ट आते ही चुनाव कराने में कोई दिक्कत नहीं है। इसके बावजूद पंचायत चुनाव में कहां अड़चन है?

यूपी में पंचायत चुनाव आखिर क्यों अटके हैं?

उत्तर प्रदेश पंचायत चुनाव की सबसे बड़ी अड़चन और देरी की प्रमुख वजह अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण निर्धारित करने की प्रक्रिया है। यूपी सरकार का पक्ष रहा है कि स्थानीय निकायों में पिछड़े वर्गों को आरक्षण देने के लिए पर्याप्त आंकड़े जुटाना और कानूनी प्रक्रिया पूरी करना जरूरी है। इसके बिना पंचायत चुनाव नहीं कराए जा सकते हैं। इलाहाबाद हाईकोर्ट के सख्त आदेश पर यूपी सरकार ने 18 मई 2026 को ओबीसी आयोग का गठन किया। सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति राम अवतार सिंह की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग गठित किया गया था। ओबीसी आयोग को उत्तर प्रदेश के सभी 75 जिलों में रैपिड सर्वे कर पिछड़ों के सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक आंकड़ों की जांच करने के लिए 6 महीने का समय दिया गया था।

नवंबर 2026 तक तो ओबीसी आयोग की रिपोर्ट की डेडलाइन है। इसके बाद पंचायत सीटों का नए सिरे से आरक्षण तय होगा और मतदाता सूची (वोटर लिस्ट) को दुरुस्त किया जाएगा।



नवरात्रि में फलाहार का है वैज्ञानिक आधार

नवरात्रि में देवी की उपासना के साथ ही नौ दिनों के उपवास होते हैं इन दिनों फलाहार ही होता है। इन दिनों घर में सादे नमक की जगह सेंधा नमक और गेहूं के आटे की जगह बल्कि सिर्फ कूटू का आटा या सिंघाड़े का आटा खाया जाता है। इसके पीछे धार्मिक के साथ ही वैज्ञानिक आधार भी है। आयुर्वेद के मुताबिक गेहूं, प्याज़, लहसुन, अदरक जैसी चीज़ें नकारात्मक ऊर्जा आकर्षित करती हैं। वहीं मौसम के बदलने पर हमारी रोग प्रतिरोधक शक्ति काफी कम होती है, जिसकी वजह से शरीर को बीमारियां लगती हैं। ऐसे में इन चीज़ों का सेवन करना नुकसानदायक साबित हो सकता है। व्रत करने का मतलब है रोज़ के खाने से शरीर पर रोक लगाना। ऐसे में लोग आसानी से पच जाने वाला और पोषक तत्वों से भरा खाना खाते हैं। गेहूं, पाचन क्रिया को धीमा करता है, इसलिए लोग इससे परहेज़ करते हैं। परिवर्तित खाने की जगह फल, सब्जी, जूस और दूध पीना ज्यादा बेहतर माना जाता है।

सेंधा नमक



देखा गया है कि नवरात्रि के समय लोग खाना बनाने में सादे नमक की जगह सेंधा नमक का इस्तेमाल करते हैं। सेंधा नमक पहाड़ी नमक होता है, जो स्वास्थ्य के साथ व्रत के खाने में शामिल किए जाने वाला सबसे शुद्ध नमक माना जाता है। यह कम खारा और आयोडीन मुक्त होता है। इसमें सोडियम की मात्रा कम, पोटेशियम और मैग्नीशियम की मात्रा ज़्यादा पाई जाती है, जो कि हार्ट के लिए काफी फायदेमंद होता है।

साबूदाना

इसे हर तरह के व्रत में खाया जा सकता है। साबूदाना एक प्रकार के पौधे से निकाले जाने वाला पदार्थ होता है, जिसमें स्टार्च की मात्रा काफी अधिक होती है। इसमें कार्बोहाइड्रेट और थोड़ा प्रोटीन भी शामिल होता है। साबूदाना शरीर को आवश्यक शक्ति प्रदान करता है। इससे आप साबूदाना खीर, टिक्की या फिर साबूदाना खिचड़ी जैसे कई व्यंजन बना सकते हैं।

कूटू कूटू का आटा

कूटू का आटा एक पौधे के सफेद फूल से निकलने वाले बीज को पीसकर तैयार किया जाता है। आमतौर पर लोग इसे व्रत में खाते हैं, क्योंकि न तो यह अनाज है और न ही वनस्पति। यह एक घास परिवार का सदस्य है। कहते हैं कि इस आटे की तासीर गर्म होती है, जिससे शरीर में कार्बोहाइड्रेट और ग्लूकोज़ का स्तर बढ़ता है। कूटू का आटा ग्लूटन फ्री होने के साथ काफी पौष्टिक भी होता है। इसमें फाइबर, प्रोटीन और विटामिन-बी की मात्रा अधिक होती है। इस आटे में आयरन, मैग्नीशियम और फॉस्फोरस जैसे कई मिनरल्स होते हैं, जो कि व्रत के लिए पौष्टिक आहार माने जाते हैं।

सिंघाड़े का आटा

व्रत में पूरा दिन फलाहार खाने के बाद जब रात में भूख लगती है, तो लोग या तो कूटू के आटे की पकौड़ी खाते है या सिंघाड़े के आटे की। असल में यह आटा सूखे पिसे सिंघाड़े से बनता है। इसमें पोटेशियम और कार्बोहाइड्रेट की मात्रा ज़्यादा और सोडियम और चिकनाई की मात्रा कम होती है।सिंघाड़ा, एक तरह का फल होता है, जिसमें फाइबर, विटामिन्स और मिनरल्स पाए जाते हैं। व्रत के समय में इसे खाने का मतलब है, शरीर के पोषक तत्वों से जुड़ी जरूरतों को पूरा करना।

रामदाना

यह फलाहार पोषक तत्वों से भरा है। इसमें प्रोटीन और कैल्शियम

घर में मूर्तियां रखने से पहले जान लें ये परंपरा

घर और मंदिर में फर्क होता है और जो लोग घर में ही मंदिर बना लेते हैं उनके लिए कई नियम मान्य होते हैं जैसे कहां बनाना चाहिए, घर का कौन सा कोना पवित्र है वगैराह-वगैराह, लेकिन घर में मूर्तियां रखने के भी कुछ नियम होते हैं। शास्त्रों के अनुसार अगर मूर्ति की पूजा नहीं की जा सकती तो उसे घर में रखने की जरूरत नहीं है। ये नियम खास तौर से शिवलिंग पर लागू होता है।



- शिवलिंग को लेकर ये भी नियम है कि एक से ज्यादा शिवलिंग घर में नहीं रखने चाहिए।
- अगर ब्रह्मा-विष्णु-महेश की मूर्ति रखी जा रही है या फोटो है तो उसे बाकी देवताओं से ऊपर स्थान देना चाहिए।
- एक ही भगवान की तीन मूर्तियां या तस्वीरें एक साथ घर में नहीं रखनी चाहिए ये गलत प्रभाव डालती हैं।

क्या कहते हैं शास्त्र

ये सभी नियम और कायदे खास तौर पर वास्तु शास्त्र के हिसाब से बनाए गए हैं। अगर हम अन्य शास्त्रों की बात करें जैसे गीता में दान या उपहार के तीन प्रकार हैं (सात्विक, राजसिक और तामसिक) जिसमें से किसी में भी भगवान की मूर्ति दान या उपहार देने का कोई रिवाज नहीं है। रिगवेद में ज्ञान को ही दान और उपहार माना गया है और इसे ही देने की बात कही गई है। मनुस्मृति में भूखे को खाना खिलाना (पुण्य के लिए), सरसों का दान (स्वास्थ्य के लिए), दिए या रौशनी का दान (समृद्धी के लिए), भूमि का दान (भूमि

केदारनाथ के दर्शन का पुण्य मिलता है यहां



जोतिबा कोल्हापुर के उत्तर में पहाड़ों से घिरा एक खूबसूरत मंदिर है। इस मंदिर की मान्यता स्थानीय लोगों में ज्योतिर्लिंग के समान है। लोग इसे केदारलिंगम कहते हैं। इसके दर्शन से केदारनाथ के दर्शन का पुण्य मिलता है। मंदिर परिसर में शिव के तीन मंदिर हैं। श्रद्धालु तीनों के दर्शन करते हैं। ये तीनों शिव के तीन रूप- सत, रज और तम के प्रतीक हैं। इन्हें ब्रह्मा, विष्णु और महेश का रूप भी माना जाता है। मंदिर में विवाह के बाद दूल्हा-दुल्हन आशीर्वाद लेने आते हैं। आसपास के श्रद्धालु लोग ढोल बाजे के साथ समूह में मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचते हैं। मंदिर में जोतिबा को गुलाल चढ़ाने की परंपरा है। इसलिए पूरा मंदिर सालों भर गुलाबी रंग के गुलाल से रंगा नजर आता है।

जोतिबा मंदिर का निर्माण 1730 में नवाजीसवा ने करवाया था। पूरा मंदिर काले रंग के पत्थरों से बना हुआ है। मंदिर की दीवारों पर सुंदर नक्काशी देखी जा सकती है। प्रवेश द्वार पर विशाल नंदी की प्रतिमा है। जोतिबा मंदिर का वास्तु प्राचीन शैली का है। यहां स्थापित जोतिबा की प्रतिमा चारभुजा धारी है। स्थानीय लोगों में माना जाता है कि जोतिबा भैरव का पुनर्जन्म था। उन्होंने रत्नासुर से लड़ाई में महालक्ष्मी का साथ दिया था। रत्नासुर के नाम पर
ही इस गांव का नाम रत्नागिरी पड़ा। बाद में गांव वालों ने इसका नाम जोतिबा रख दिया।आसपास के लोग जोतिबा मंदिर में पुत्र या पुत्री की कामना लेकर आते हैं। कहा जाता है कि उनकी कामना पूरी भी होती है। आसपास के काफी लोग तो हर साल जोतिबा के दर्शन करने पहुंचते हैं। मंदिर में दर्शन के लिए रोज काफी भीड़ उमड़ती है। जोतिबा के मंदिर में

कैसे हुई शारदीय नवरात्र की शुरुआत



आज से शारदीय नवरात्र की शुरुआत हो गयी है। नवरात्रि साल में दो बार मनाई जाती है। पहला मार्च से अप्रैल के बीच चैत्र मास में आने वाली चैत्र नवरात्र और दूसरा आश्विन मास में, जिसे शारदीय नवरात्रि कहते हैं। नवरात्रि के दिनों में नौ दिनों तक मां दुर्गा के नौ अलग-अलग स्वरूपों की पूजा होती है। आश्विन मास में मनाए जाने वाले नवरात्रों में दसवें दिन विजयदशमी यानी दशहरा त्यौहार के रूप में मनाया जाता है।

कैसे हुई थी शारदीय नवरात्र की शुरुआत

ऐसी मान्यता है कि शारदीय नवरात्र की शुरुआत भगवान राम ने की थी। भगवान राम ने सबसे पहले समुद्र के किनारे शारदीय नवरात्रों की पूजा की शुरुआत की। राम ने लगातार 9 दिनों तक शक्ति की पूजा की थी और तब जाकर उन्होंने लंका पर जीत हासिल की थी। यही वजह है कि शारदीय नवरात्रों में नौ दिनों तक दुर्गा मां की पूजा के बाद दसवें दिन दशहरा मनाया जाता है। हर साल 10वें दिन तब से ही दशहरा मनाया जाता है और माना जाता है कि अधर्म की धर्म पर जीत, असत्य की



लोक निर्माण विभाग के सचिव ने सड़कों-पुलों के कार्यों का किया निरीक्षण

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

लोक निर्माण विभाग के सचिव मुकेश कुमार बंसल ने जांजगीर-चांपा और कोरबा जिले का दौरा कर निर्माणाधीन सड़कों एवं पुलों का निरीक्षण किया। उन्होंने फील्ड पर कार्यों की प्रगति की जानकारी ली और कार्यों में तेजी लाते हुए शीघ्र पूर्ण करने को कहा। उन्होंने पामगढ़ और कोरबा में विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर दोनों जिलों में निर्माणाधीन, स्वीकृत और प्रस्तावित कार्यों की समीक्षा की। लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता वी.के. भतपहरी भी इस दौरान मौजूद थे। विभागीय सचिव श्री बंसल को पामगढ़ रेस्ट हाऊस में बैठक के दौरान बिलासपुर सेतु संभाग के अधिकारियों ने बताया कि जांजगीर-चांपा जिले के धनवारपारा (सलनी)-नवागांव मार्ग पर बोराई नदी पर उच्च स्तरीय पुल और पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य पूरा हो गया है। इसके 905 मीटर में बी.टी. कार्य शेष है। सचिव श्री बंसल ने अधिकारियों को वर्तमान संपादित अनुबंध के अनुसार बी.टी. कार्य पूर्ण कराते हुए अनुबंध शीघ्र समाप्त करने के निर्देश दिए।उन्होंने ग्रामीणों की मांग के अनुसार 1200 मीटर अतिरिक्त बी.टी. सड़क के निर्माण के लिए पृथक पुनरीक्षित प्राक्कलन तैयार कर शासन को भेजने को कहा। श्री बंसल ने अधिकारियों को पी.डब्ल्यू.एम.आई.एस. में पूर्व वर्षों के पूर्ण कार्यों के अंतिम पूर्ण देयक से संबंधित कार्यवाही पूर्ण कर अद्यतन डॉटा पी.डब्ल्यू.एम.आई.एस. में एन्ट्री करने के निर्देश दिए। उन्होंने पामगढ़ रेस्ट हाउस में अच्छी साफ-सफाई रखने तथा जरूरी मरम्मत के भी निर्देश दिए। श्री बंसल ने कोरबा में विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर सी.जी.आर.आई.डी.सी.एल. योजना के अंतर्गत प्रगतिरत कटघोरा-हरदीबाजार-बलौदा-अकलतरा मार्ग (इंडस्ट्रियल कॉरीडोर) में खोलार नाला पर उच्च स्तरीय पुल एवं पहुँच मार्ग का कार्य दिसम्बर-2026 तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। पर हैण्ड-रेल लगाने को कहा।

कलेक्ट्रेट शताब्दी गार्डन में पौधरोपण

विभिन्न प्रजातियों के फलदार पौधे लगाए गए।

एक सत बुलेटिन ➤ दुर्ग

छत्तीसगढ़ शासन के प्रमुख सचिव, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग और दुर्ग जिले के प्रभारी सचिव सोनमणि बोरा ने कलेक्ट्रेट परिसर स्थित शताब्दी गार्डन में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। अधिकारियों की बैठक से पहले आयोजित इस कार्यक्रम में उन्होंने मौलश्री का पौधा लगाया और हरियाली बढ़ाने के साथ पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया। इस अवसर पर जिले के वरिष्ठ



प्रशासनिक अधिकारियों ने भी पौधरोपण कार्यक्रम में भाग लिया। शताब्दी गार्डन में मौलश्री सहित विभिन्न प्रजातियों के फलदार पौधे लगाए गए।

शताब्दी गार्डन को पब्लिक गार्डन के रूप में विकसित करने के निर्देश

प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने पौधरोपण के दौरान शताब्दी गार्डन के रखरखाव और विकास को लेकर महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने नगर निगम आयुक्त को गार्डन का बेहतर संधारण सुनिश्चित करने और इसे पब्लिक गार्डन के रूप में विकसित करने को कहा। उन्होंने निर्देश दिए कि गार्डन को इस प्रकार विकसित किया जाए, जिससे आम नागरिक भी इसका लाभ उठा सकें। इस पहल से कलेक्ट्रेट परिसर में हरियाली बढ़ने के साथ नागरिकों को एक व्यवस्थित सार्वजनिक उद्यान उपलब्ध कराने की दिशा में काम किया जा सकेगा।

वरिष्ठ अधिकारियों ने भी लगाए फलदार पौधे

पौधरोपण कार्यक्रम में वन मंडलाधिकारी सी.पी. अग्रवाल, अतिरिक्त संचालक नगरीय प्रशासन एवं विकास पुलक भट्टाचार्य और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने भी हिस्सा लिया। इसके अलावा नगर निगम भिलाई की आयुक्त सुरूचि सिंह, नगर निगम दुर्ग की आयुक्त लीना कोसम, नगर निगम भिलाई-चरौदा के आयुक्त डी. राजपूत और एसडीएम दुर्ग सोनाल डेविड ने मौलश्री तथा अन्य प्रजातियों के फलदार पौधे लगाए। कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारियों की सहभागिता के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण और हरित क्षेत्र के विकास का संदेश दिया गया।

रायपुर से रावघाट और कुरुद के लिए चलेंगी तीन नई मेमू

छत्तीसगढ़ के रेल यात्रियों को बड़ी सौगात, रायपुर से चलेंगी 3 नई मेमो ट्रेनें

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ के रेल यात्रियों के लिए अच्छी खबर सामने आई है। प्रदेश में रेल कनेक्टिविटी को मजबूत करने और यात्रियों को बेहतर परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से भारतीय रेलवे ने तीन नई मेमू ट्रेन सेवाओं के संचालन को मंजूरी दी है। इनमें रायपुर से रावघाट के बीच एक और रायपुर से कुरुद के बीच दो मेमू सेवाएं शामिल हैं। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रायपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद बृजमोहन अग्रवाल को पत्र लिखकर इन रेल सेवाओं की स्वीकृति की जानकारी दी है। इससे रायपुर और आसपास के क्षेत्रों में यात्रा करने वाले यात्रियों को अतिरिक्त रेल सुविधाएं मिलने की उम्मीद है।

रायपुर से रावघाट और कुरुद के लिए चलेंगी तीन नई मेमू

रेल मंत्रालय ने यात्रियों की मांग और क्षेत्रीय रेल सुविधाओं की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए नई मेमू ट्रेन सेवाओं को स्वीकृति प्रदान की है। इनमें रायपुर से रावघाट के लिए एक ट्रेन सेवा तथा रायपुर से कुरुद के लिए दो अलग-अलग मेमू सेवाएं शामिल हैं। नई रेल सेवाएं शुरू होने से संबंधित क्षेत्रों के यात्रियों को आवागमन का अतिरिक्त विकल्प मिलेगा। विशेष रूप से नियमित यात्रियों, विद्यार्थियों और नौकरीपेशा लोगों के लिए ये सेवाएं उपयोगी हो सकती हैं।



रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सांसद को लिखा पत्र

रायपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से रायपुर और आसपास के क्षेत्रों में यात्री रेल सुविधाओं का विस्तार करने का आग्रह किया था।इस संबंध में रेल मंत्री की ओर से भेजे गए पत्र में तीन नई मेमू सेवाओं के संचालन को स्वीकृति दिए जाने की जानकारी दी गई है। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने रेल मंत्रालय के फैसले पर प्रसन्नता जताई है। उन्होंने कहा कि उनका प्रयास क्षेत्र के नागरिकों को बेहतर, सुगम और किफायती यातायात सुविधा उपलब्ध कराना रहा है।

नौकरीपेशा लोगों और विद्यार्थियों को मिलेगा लाभ

नई मेमू ट्रेनें शुरू होने से रायपुर और संबंधित क्षेत्रों के बीच नियमित रूप से यात्रा करने वाले यात्रियों को सुविधा मिलने की संभावना है। रोजगार, शिक्षा, कारोबार और अन्य कार्यों से राजधानी आने-जाने वाले लोगों के लिए रेल परिवहन का एक अतिरिक्त विकल्प उपलब्ध होगा।सांसद बृजमोहन अग्रवाल के अनुसार, इन सेवाओं से नौकरीपेशा लोगों, किसानों, व्यापारियों, विद्यार्थियों और उपचार के लिए यात्रा करने वाले नागरिकों को लाभ मिल सकता है। हालांकि यात्रा समय में वास्तविक बचत ट्रेनों की समय-सारणी, ठहराव और परिचालन व्यवस्था पर निर्भर करेगी।

रावघाट क्षेत्र की रेल कनेक्टिविटी को मिलेगी मजबूती

रायपुर से रावघाट के लिए मेमू ट्रेन सेवा को मंजूरी मिलने से रेल संपर्क विस्तार की दिशा में एक और कदम बढ़ा है। रावघाट क्षेत्र तक यात्री रेल सेवाओं का विस्तार स्थानीय नागरिकों की लंबे समय से चली आ रही परिवहन जरूरतों के लिए महत्वपूर्ण है। नई रेल सेवा शुरू होने के बाद इस मार्ग पर यात्रा करने वाले यात्रियों को सड़क परिवहन के साथ रेल यात्रा का अतिरिक्त विकल्प उपलब्ध हो सकेगा। इसके अलावा क्षेत्र में व्यापारिक गतिविधियों और सामाजिक संपर्क को भी बढ़ावा मिलने की संभावना है।

रायपुर-कुरुद रूट पर दो मेमू सेवाओं से बढ़ेंगे यात्रा विकल्प

रेल मंत्रालय ने रायपुर से कुरुद के बीच दो मेमू सेवाओं को मंजूरी दी है। इन सेवाओं के शुरू होने पर रायपुर और कुरुद के बीच यात्रियों को रेल यात्रा के अतिरिक्त विकल्प उपलब्ध होंगे। खासकर राजधानी में पढ़ाई, नौकरी, कारोबार और अन्य आवश्यक कार्यों के लिए आने-जाने वाले लोगों को इसका लाभ मिल सकता है। कुरुद और आसपास के क्षेत्रों से रायपुर आने वाले यात्रियों के लिए ट्रेन सेवाओं की उपलब्धता मजबूती मिल रही हैं। दीपावली के दौरान इन उत्पादों की बिक्री से महिलाओं को अपनी मेहनत और हुनर के जरिए आय अर्जित करने का अवसर मिल सकता है। स्थानीय स्तर पर तैयार इन उत्पादों को बढ़ावा मिलने से महिला समूहों की आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा।

इसलिए ख़ास हैं गोबर के दीय

गोबर से बने दीये पारंपरिक सामग्रियों के उपयोग से तैयार किए जाते हैं। इन्हें प्लास्टिक आधारित सजावटी उत्पादों के विकल्प के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। इनकी कुछ प्रमुख विशेषताएं हैं- प्राकृतिक सामग्री से निर्माण। स्थानीय महिला समूहों द्वारा तैयार उत्पाद। सिर्फ 2 रुपये प्रति दीया की किफायती कीमत। दीपावली की पारंपरिक सजावट के लिए विकल्प। स्थानीय स्वरोजगार गतिविधियों को प्रोत्साहन। हालांकि इनका पर्यावरणीय प्रभाव निर्माण की सामग्री, रंग, अन्य मिश्रण और उपयोग के बाद निपटान की प्रक्रिया पर भी निर्भर करता है।

स्थानीय महिलाओं को मिलेगा अवसर

महिला स्वसहायता समूहों के माध्यम से तैयार किए गए गोबर के दीये स्थानीय स्तर पर उत्पाद निर्माण और बिक्री का उदाहरण हैं। इस प्रकार की गतिविधियों से महिलाओं को उत्पाद बनाने, उनकी बिक्री करने और आय अर्जित करने का अवसर मिलता है। त्योहारों के दौरान स्थानीय उत्पादों की मांग बढ़ने से महिला समूहों को अपने काम का विस्तार करने में मदद मिल सकती है।

दीपावली पर सिर्फ 2 रुपये में मिलेंगे गोबर के दीये, रायपुर में यहां से करें खरीदारी



एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

दीपावली के त्योहार को लेकर छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में खास तैयारियां शुरू हो गई हैं। इस बार शहरवासियों को घरों और दुकानों को रोशन करने के लिए कम कीमत पर पर्यावरण अनुकूल दीयों का विकल्प उपलब्ध कराया जा रहा है। रायपुर नगर निगम के जोन क्रमांक-5 के अंतर्गत डंगनिया गोबर खरीदी केंद्र में महिला स्वसहायता समूहों ने गोबर से आकर्षक दीये तैयार किए हैं। इन दीयों की कीमत मात्र 2 रुपये प्रति नग निर्धारित की गई है। नागरिक दीपावली के अवसर पर निर्धारित केंद्र से इन्हें खरीद सकते हैं।

दीपावली पर सिर्फ 2 रुपये में मिलेंगे गोबर के दीये

दीपावली के दौरान घरों, दुकानों और आंगन को रोशन करने के लिए बड़ी संख्या में लोग दीयों की खरीदारी करते हैं। ऐसे में रायपुर नगर निगम की ओर से गोबर से बने दीयों का एक किफायती विकल्प उपलब्ध कराया गया है। नगर निगम के अनुसार, डंगनिया स्थित गोबर खरीदी केंद्र में महिला स्वसहायता समूहों ने दीपावली को ध्यान में रखते हुए बड़ी संख्या में दीये तैयार किए हैं। इन दीयों को नागरिकों के लिए 2 रुपये प्रति नग की दर से बिक्री के लिए उपलब्ध कराया गया है। इससे आम लोगों को त्योहार के लिए कम कीमत में दीये खरीदने का अवसर मिलेगा।

महिला स्वसहायता समूहों ने तैयार किए खास दीये

डंगनिया गोबर खरीदी केंद्र में स्थानीय महिला स्वसहायता समूहों की महिलाएं गोबर से दीये तैयार कर

रायपुर में ऑटो और ई-रिक्शा चालकों को बड़ी राहत, पंजीयन की तारीख बढ़ी

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में ऑटो और ई-रिक्शा चालकों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। यातायात पुलिस कमिश्नरेट रायपुर ने ई-रिक्शा और ऑटो पंजीयन अभियान की अवधि 10 दिनों के लिए बढ़ा दी है। अब जिन वाहन चालकों और मालिकों ने अपने वाहनों का पंजीयन नहीं कराया है या क्यूआर कोड नहीं लगवाया है, वे 16 अक्टूबर से 25 अक्टूबर 2026 तक विशेष अभियान का लाभ उठा सकेंगे। इसके अलावा 1 नवंबर 2026 से नए ऑटो और ई-रिक्शा का पंजीयन तथा क्यूआर कोड लगाने की प्रक्रिया शोरूम स्तर पर ही पूरी की जाएगी। यातायात पुलिस ने सभी वाहन संचालकों से निर्धारित समय सीमा के भीतर पंजीयन कराने की अपील की है।

25 अक्टूबर तक चलेगा विशेष पंजीयन अभियान

यातायात पुलिस कमिश्नरेट रायपुर ने सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से पंजीयन अभियान की अवधि बढ़ाने का निर्णय लिया है। यातायात डीसीपी डॉ. अर्चना झा ने बताया कि वाहन चालकों और मालिकों की मांग तथा जनहित को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया गया है। अब 16 से 25 अक्टूबर तक ऐसे ऑटो और ई-रिक्शा संचालक पंजीयन करा सकेंगे, जिनका पंजीयन अब तक नहीं हो पाया है।



16 हजार से अधिक वाहनों का हो चुका पंजीयन

डीसीपी डॉ. अर्चना झा के अनुसार, रायपुर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा पूर्व में चलाए गए अभियान के दौरान 15 हजार से अधिक ऑटो और ई-रिक्शा का पंजीयन किया गया था। इसके बाद 1 अगस्त से 10 अगस्त 2026 तक विशेष अभियान चलाया गया, जिसमें करीब एक हजार से अधिक वाहन पंजीकृत किए गए। इस प्रकार अब तक कुल 16 हजार से अधिक ई-रिक्शा और ऑटो का पंजीयन पूरा किया जा चुका है। यातायात पुलिस के अनुसार, अब तक पंजीकृत वाहनों में से 14,130 ऑटो और ई-रिक्शा पर क्यूआर कोड लगाए जा चुके हैं। शेष पंजीकृत वाहनों पर भी जल्द क्यूआर कोड लगाने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। क्यूआर कोड के माध्यम से वाहन और चालक से संबंधित डिजिटल जानकारी का सत्यापन किया जा सकेगा। इससे यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने के साथ वाहन की पहचान करने में भी सुविधा होगी।

1 नवंबर से शोरूम में ही होगा पंजीयन

यातायात पुलिस ने नई व्यवस्था के तहत 1 नवंबर 2026 से नए ऑटो और ई-रिक्शा का पंजीयन संबंधित शोरूम के माध्यम से करने की जानकारी दी है। नई व्यवस्था में शोरूम स्तर पर ही क्यूआर कोड लगाने की प्रक्रिया भी पूरी की जाएगी। इसका उद्देश्य नए वाहनों का पंजीयन और डिजिटल पहचान सुनिश्चित करना तथा सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को अधिक पारदर्शी बनाना है।

रायपुर में नो-पार्किंग पर पुलिस का बड़ा एक्शन, 5 दिनों में 55 वाहनों का चालान

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में अव्यवस्थित पार्किंग और लगातार लगने वाले ट्रैफिक जाम की समस्या से निपटने के लिए यातायात पुलिस ने विशेष अभियान चलाया है। शहर के प्रमुख मार्गों पर नो-पार्किंग में खड़े वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए पिछले पांच दिनों में कुल 55 वाहनों पर चालान किया गया है। जीई रोड, एमजी रोड, मालवीय रोड, बॉम्बे मार्केट, प्रेस कॉम्प्लेक्स, राजबंधा मैदान और मेडिकल कॉम्प्लेक्स मार्ग पर यह अभियान चलाया गया। पुलिस के अनुसार, लगातार कार्रवाई के बाद इन मार्गों पर यातायात व्यवस्था में सुधार हुआ है और आम नागरिकों को जाम से राहत मिली है।

सड़क किनारे अवैध पार्किंग से लग रहा था भीषण जाम

राजधानी के प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्रों में सड़क किनारे बेतरतीब खड़े वाहनों के कारण लंबे समय से यातायात बाधित हो रहा था। विशेष रूप से जीई रोड, एमजी रोड, मालवीय रोड, बॉम्बे मार्केट और मेडिकल कॉम्प्लेक्स मार्ग पर प्रतिदिन जाम की स्थिति बन रही थी। इससे राहगीरों, वाहन चालकों और आसपास के व्यापारियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। सबसे अधिक परेशानी अस्पताल जाने वाले मरीजों और उनके परिजनों को हो रही थी। सड़क पर अव्यवस्थित पार्किंग के कारण वाहनों की आवाजाही प्रभावित हो रही थी। इस समस्या को लेकर यातायात पुलिस को आम नागरिकों से लगातार शिकायतें मिल रही थीं।लोगों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए पुलिस उपायुक्त यातायात एवं प्रोटोकॉल डॉ. अर्चना झा ने संबंधित अधिकारियों को विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने एसीपी शारदा चौक और यातायात थाना प्रभारी शारदा चौक को प्रभावित मार्गों पर प्राथमिकता के साथ लगातार कार्रवाई करने को कहा। निर्देश मिलने के बाद यातायात पुलिस ने संबंधित इलाकों में अवैध पार्किंग की समस्या दूर करने के लिए अभियान शुरू किया।यातायात पुलिस ने अभियान के शुरुआती चरण में संबंधित क्षेत्रों के व्यापारियों और दुकानदारों से बातचीत की। उन्हें समझाइश दी गई कि वे अपने तथा ग्राहकों के वाहन मुख्य सड़क पर खड़े न करवाएं।

अब तक नहीं मिला छात्रा का कोई सुराग

बिलासपुर में 10 साल की छात्रा लापता, घर से निकली फिर नहीं लौटी

एक सत बुलेटिन ➤ बिलासपुर

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में 10 वर्षीय स्कूली छात्रा के अचानक लापता होने का मामला सामने आया है। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के तालापारा स्थित तैय्यबा चौक के पास रहने वाली छात्रा लॉरेन परवीन 15 अक्टूबर की दोपहर से लापता है। छात्रा घर से निकली थी, लेकिन इसके बाद वापस नहीं लौटी। काफी तलाश करने के बावजूद उसका कोई पता नहीं चलने से परिजन परेशान हैं। घटना की शिकायत मिलने के बाद सिविल लाइन पुलिस ने छात्रा की तलाश शुरू कर दी है। हालांकि, उपलब्ध जानकारी के अनुसार अब तक बच्ची का कोई सुराग नहीं मिल पाया है।

मिली जानकारी के अनुसार, लापता छात्रा



की पहचान लॉरेन परवीन के रूप में हुई है। उसकी उम्र 10 साल 9 महीने बताई गई है और वह कक्षा सातवीं की छात्रा है। बताया जा रहा है कि लॉरेन 15 अक्टूबर 2026 को दोपहर करीब 1:30 बजे तालापारा के तैय्यबा चौक के पास स्थित अपने घर से निकली थी। इसके बाद वह वापस घर नहीं पहुंची। समय बीतने के बावजूद बच्ची के नहीं लौटने पर परिजनों की चिंता बढ़ गई। परिजनों ने अपने स्तर पर छात्रा की तलाश की, लेकिन उसके बारे में कोई जानकारी नहीं मिल सकी।

अचानक लापता होने से परिवार परेशान

छात्रा के अचानक लापता होने से परिवार के सदस्य चिंतित हैं। बच्ची के घर नहीं लौटने के कारण परिजन उसकी सुरक्षित वापसी का इंतजार कर रहे हैं। तालापारा इलाके में छात्रा के लापता होने की घटना सामने आने के बाद स्थानीय लोगों में भी चिंता का माहौल है। परिजनों के सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि घर से निकलने के बाद बच्ची कहां गई और अब तक वापस क्यों नहीं लौटी। फिलहाल छात्रा के लापता होने की परिस्थितियां स्पष्ट नहीं हो सकी हैं।

परिजनों ने सिविल लाइन थाने में दर्ज कराई शिकायत

लॉरेन परवीन के लापता होने के बाद परिजनों ने सिविल लाइन पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए छात्रा की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस बच्ची के बारे में जानकारी जुटाने का प्रयास कर रही है। हालांकि, छात्रा कहां गई और किन परिस्थितियों में लापता हुई, इस संबंध में अभी कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है।अब तक नहीं मिला छात्रा का कोई सुराग

उपलब्ध जानकारी के अनुसार, छात्रा का अब तक पता नहीं चल सका है। पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि बच्ची अपनी मर्जी से कहीं गई है या उसके लापता होने के पीछे कोई अन्य कारण है। इस संबंध में किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले पुलिस जांच और छात्रा की बरामदगी का इंतजार करना होगा।

बच्ची की सुरक्षित वापसी का इंतजार

10 वर्षीय छात्रा के लापता होने से परिवार की चिंता लगातार बनी हुई है। परिजन चाहते हैं कि बच्ची जल्द से जल्द सुरक्षित घर लौट आए। बच्ची की कम उम्र को देखते हुए यह मामला संवेदनशील है। उसकी तलाश में मिलने वाली कोई भी विश्वसनीय जानकारी महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। यदि किसी व्यक्ति को छात्रा के संबंध में कोई जानकारी मिलती है, तो उसे तत्काल सिविल लाइन थाना पुलिस या नजदीकी पुलिस थाने को सूचित करना चाहिए। फिलहाल पुलिस छात्रा की तलाश में जुटी है। मामले में आगे की जानकारी पुलिस जांच और बच्ची का

एक सत प्रयास जनकल्याण समिति के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक **अभिषेक शर्मा** द्वारा 202, भाटागांव चौराहा , रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन 492015 से प्रकाशित एवं आसमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड , गॉस मेमोरियल हाल के पास , जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित।

संपादक - रिज़वान आज़म, **समूह संपादक**- महेश कुमार तिवारी ईमेल - eksatbulletin@gmail.com R.N.I Number - CHHHIN/2020/78457 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार ।